

हिंदी बालभारती

चौथी कक्षा



निःशुल्क
वितरण
के लिए



टेली मानस हेल्पलाइन

Tele MANAS (Tele Mental Health Assistance and Networking Across States)

(१४४१६/१८००-८९-१४४१६)

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना 'टेली मानस' महाराष्ट्र राज्य में अक्टूबर २०२२ से कार्यान्वित की गई है। 'टेली मानस' कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्पलाइन नंबर १४४१६ द्वारा निःशुल्क एकात्मिक और सर्वसमावेशक मानसिक स्वास्थ्य सेवा २४x७ प्रदान की जाती है। इसमें विविध मानसिक समस्याओं के लिए विशेषज्ञों द्वारा उपचार और समुपदेशन किया जाता है। 'टेली मानस' हेल्पलाइन पर आपके द्वारा दी गई जानकारी को पूर्णतः गोपनीय रखा जाता है। इस कारण विद्यार्थी अपनी समस्याएँ हेल्प लाइन नंबर पर कॉल करके निःसंकोच बताएँ तथा मन में उत्पन्न किसी भी शंका के संबंध में पूछकर उसके निराकरण और अपनी समस्या से संबंधित मार्गदर्शन प्राप्त करें और अन्य लोगों को भी इस सुविधा का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित करें।

मनोदर्पण

शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद के अंतर्गत जुलाई २०२० से मनोदर्पण (८४४८४४०६३२) हेल्पलाइन की निःशुल्क दूरध्वनि सेवा आरंभ की गई है। यह सुविधा विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन तथा सहायता प्रदान करने हेतु प्रतिदिन प्रातः ८ बजे से संध्या ८ बजे की कालावधि में उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षक हेल्पलाइन पर संपर्क करके मार्गदर्शन एवं समुपदेशन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद, महाराष्ट्र, पुणे निर्मित पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार करके उनके द्वारा पाठ्यपुस्तक की जाँच की गई है। शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी-४ दिनांक २५.०४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया। दि. १३.०४.२०२६ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई है।



हिंदी बालभारती चौथी कक्षा

समग्र शिक्षा



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे-४११००४



चौखट में दिए गए Q.R.Code को स्मार्ट फोन द्वारा स्कैन करने पर तुम्हें डिजिटल पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यपुस्तक में दिए घटकों से संबंधित दृक, श्राव्य एवं दृकश्राव्य रूप में अध्ययन-अध्यापन सामग्री भी उपलब्ध होगी।

इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

* हिंदी समिति सदस्य *

प्रा. अनुया दळवी, अध्यक्ष

श्री रामहित यादव, निमंत्रित सदस्य डॉ प्रमोद शुक्ल, निमंत्रित सदस्य

श्री भुमेश्वर कटरे, सदस्य श्री जितेंद्र गवळी, सदस्य

श्री जयप्रकाश सूर्यवंशी, सदस्य श्री सुनील बी. यादव, सदस्य

श्री माताचरण मिश्रा, सदस्य श्रीमती गीता जोशी, सदस्य

डॉ. निर्मला राजपूत, सदस्य श्री अनिल अंबुले, सदस्य

श्रीमती जसवंत कौर पड्डा, सदस्य अब्दुल रज्जाक शाह, सदस्य

डॉ. पूनम शिंदे, सदस्य श्रीमती अश्विनी मुदिराज, सदस्य

श्री नंदुलाल पवार, सदस्य श्री समीर जाधव, सदस्य

डॉ. ममता मेहता, सदस्य श्रीमती अलका वर्मा, सदस्य

श्री ता. का. सूर्यवंशी, निमंत्रित सदस्य सौ. रंजना पिंगळे, निमंत्रित सदस्य

प्रा. शशि निघोजकर, निमंत्रित सदस्य प्रा. मैनोद्दीन मुल्ला, निमंत्रित सदस्य

सौ. रजनी म्हैसाळकर, निमंत्रित सदस्य सौ. वृंदा कुलकर्णी, निमंत्रित सदस्य

डॉ. संदिप मुळे, अभ्यासक्रम समन्वयक

डॉ. अलका पोतदार- सदस्य सचिव

* संयोजक *

डॉ. अलका पोतदार

विशेषाधिकारी हिंदी भाषा (वि.का.)

पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

मुखपृष्ठ : श्री भट्ट बागले

चित्रकार : सौ. शिल्पा दीक्षित,
लक्ष्मीकांत काळे

अक्षरांकन : मुद्रा विभाग, पाठ्यपुस्तक
मंडळ, पुणे

कागज : ७० जीएसएम, क्रीमवोव

मुद्रणादेश :

मुद्रक :

* निर्मिति *

श्रीमती मिताली शितप

प्र. मुख्य निर्मिति अधिकारी

श्री राजेंद्र पांडलोसकर

निर्मिति अधिकारी

* गुणवत्ता समीक्षक *

श्री संजय भारद्वाज (गुणवत्ता परीक्षक)

एंड. प्रणिता कुलकर्णी (विधि तज्ञ)

श्रीमती दिव्या वर्मा नायर (CWSN तज्ञ)

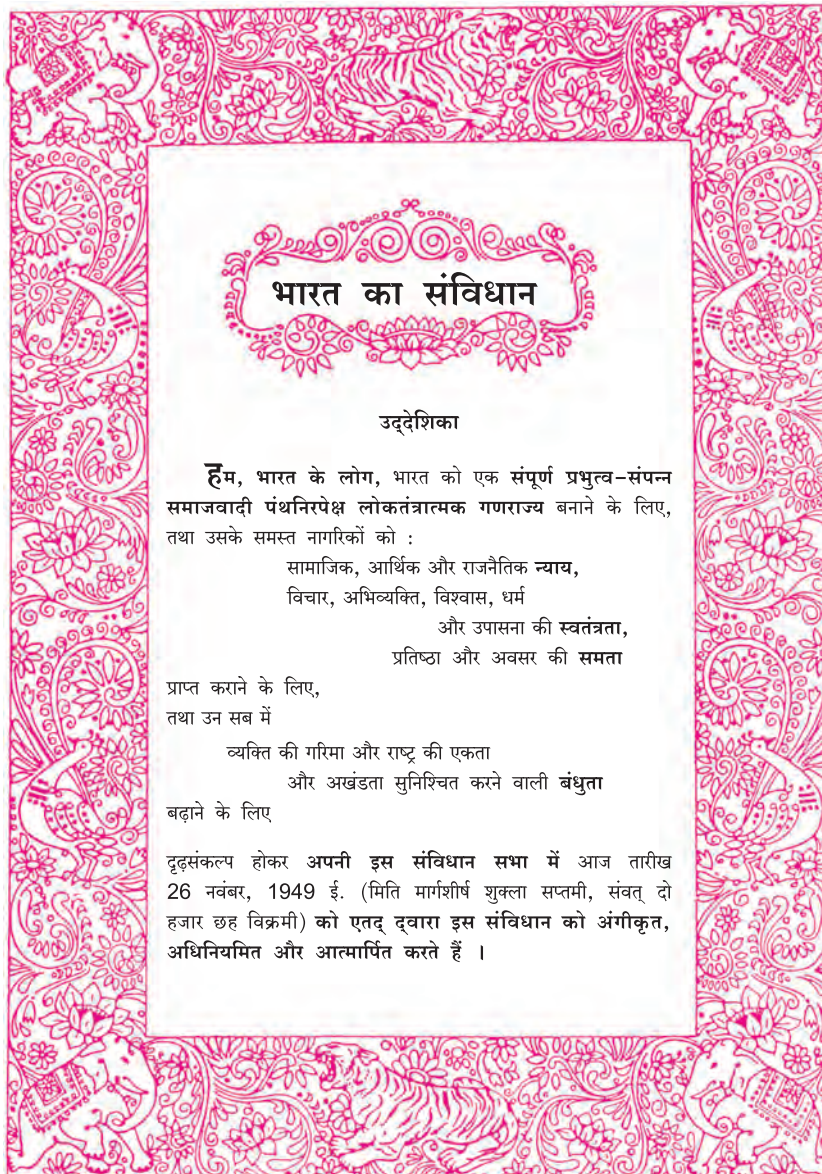
* प्रकाशक *

श्री हेमंत बाबर

प्र. नियंत्रक

पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ,

प्रभादेवी, मुंबई-२५



भारत का संविधान

भाग ४ क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद ५१ क

मूल कर्तव्य- भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;
- (ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयुवाले अपने, यथास्थिति बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

राष्ट्रगान

जनगणमन - अधिनायक जय हे
भारत - भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ॥

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-
बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की
समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं
पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूंगा/करूंगी कि उन
परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता
मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों
का सम्मान करूंगा/करूंगी और हर एक से
सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूंगा/करूंगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने
देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा
रखूंगा/रखूंगी । उनकी भलाई और समृद्धि में
ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थी मित्रो!

नया शैक्षणिक वर्ष शुरू हो गया है। हिंदी बालभारती चौथी कक्षा की यह पाठ्यपुस्तक तुम्हारे हाथों में सौंपते हुए बहुत हर्ष हो रहा है।

तीसरी कक्षा तक तुम सबने शब्द एवं वाक्य पढ़ना, लिखना और भाषण-संभाषण करना सीखा है। चौथी कक्षा की इस पाठ्यपुस्तक से तुम नयी-नयी कहानियाँ, कविताएँ, संवाद, चित्रवर्णन आदि जानकारीपूर्ण पाठों को पढ़ने का आनंद प्राप्त करने वाले हो। इस पाठ्यपुस्तक के पाठ तुम्हें सोचने के लिए प्रेरित करेंगे, नयी बातें सिखाएँगे जिससे तुम्हारी कल्पनाशक्ति का भी विकास होगा।

इस पाठ्यपुस्तक की गेय कविताएँ तुम लय-ताल, सुर एवं अभिनय के साथ प्रस्तुत कर सकोगे। ये सभी कविताएँ तुम्हें पढ़ने, बोलने और अपने मित्र-सहेलियों के साथ गाने में आनंद आएगा। कुछ कविताएँ बोलने में तुम्हें गीत जैसी लगेंगी तो कुछ कहानियाँ पढ़ते समय तुम्हें अपने अनुभवों का स्मरण होगा। प्रत्येक पाठ एवं कविता के साथ दिए गए रंगीन चित्र, पाठ्यसामग्री समझने में सहायक होगी। कभी-कभी चित्र देखकर तुम स्वयं कहानी तैयार कर सकोगे।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक में विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत दी गई सभी कृतियाँ हल करने से तुम्हारे भाषाई कौशल अधिकाधिक विकसित होंगे। विविधतापूर्ण शीर्षकों के अंतर्गत दी गई विभिन्न कृतियाँ पूर्ण करते और लिखते समय तुम्हें निश्चित ही अच्छा लगेगा। इन कृतियों के अभ्यास द्वारा तुम्हारा भाषाई भंडार विकसित होगा। पाठ्यपुस्तक में समाविष्ट कृतियों के अभ्यास द्वारा तुम्हें भरपूर आनंद प्राप्त होगा।

हिंदी समिति-निमंत्रित सदस्यों, साहित्यकारों और चित्रकारों ने बहुत आस्था एवं परिश्रमपूर्वक यह पुस्तक तैयार की है। 'मंडळ' इन सभी को मनःपूर्वक धन्यवाद देता है। प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक के कारण परिवार, विद्यालय और परिसर में बोलते समय तुम शुद्ध, आकर्षक और प्रभावी हिंदी भाषा आत्मविश्वास के साथ उपयोग में लाना सीखोगे। यह पाठ्यपुस्तक तुम आनंदपूर्वक और मन से पढ़ो। पाठ्यपुस्तक में समाविष्ट सभी पाठ्यघटक सूक्ष्मता से समझो।

विद्यार्थी मित्रो, तुम्हारी शैक्षणिक यात्रा के लिए शुभकामनाएँ।



(अनुराधा ओक)

संचालक

पुणे

दिनांक : १९ अप्रैल २०२६

भारतीय सौर दिनांक : २ वैशाख शु. शके १९४८, अक्षय तृतीया

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

भाषा संबंधी अध्ययन निष्पत्ति : प्रथम भाषा हिंदी (चौथी)

अपेक्षा है कि चौथी कक्षा के अंत तक विद्यार्थियों में भाषा संबंधी निम्नलिखित अध्ययन निष्पत्ति विकसित हों।

क्षमता	अध्ययन निष्पत्ति	सीखने का प्रतिफल	पृष्ठ क्रमांक
C-1.1	1.1.1	घटना, प्रसंग कथा गीत, कविता तथा दैनंदिन अनुभवों को सहपाठियों से संभाषण करता है।	२, ६, १०, १४, १८, २८, ३२, ३६, ४०, ४०, ४४, ४८, ६२, ६५, ७२, ७६, ८०, ८४
	1.1.2	कहानियाँ, अंश, अनुच्छेद, समाचार सुनना और समूह में उनपर चर्चा करता है।	८, १५, ३७, ४६, ५२, ८१
	1.1.3	घटनाओं, स्थितियों और दैनिक अनुभवों के बारे में सुसंगत रूप से राय व्यक्त करता है।	११, २९, ३०, ३८, ४१, ४८, ५१, ५२, ७३, ७७, ८५
	1.1.4	किसी दिए गए विषय पर आठ-से-दस वाक्यों में आकलन सहित संवाद प्रस्तुत करता है।	८, २४, ४७, ४८, ७९
C-1.2	1.2.1	विभिन्न पाठों को सुनकर और पढ़कर उसके मुख्य विचार बताता है।	८, १६, १८, २७, ३४, ४८, ५६, ७५, ८५, ८८
	1.2.2	किसी पाठ के मुख्य विचारों को विस्तार से बताता है।	३४, ७४, ७९
	1.2.3	साहित्य के आशय का वर्णन करता है।	१, २, ३, ६, ७, १०, १४, १६, १८, २१, २३, २८, ३२, ३६, ४०, ४३, ४८, ५८, ६०, ६२, ६५, ६९, ७०, ७२, ७६, ८०, ८४, ८७
	1.2.4	कक्षा में पढ़ी हुई सामग्री से पाठ का सारांश बताता है।	७, २७, ३४, ३८, ४३, ५९, ६८, ७२, ८२
C-1.3	1.3.1	विभिन्न प्रकार की मौखिक प्रस्तुतियाँ देता है। उदाहरण के लिए, वस्तुओं को दिखाकर उसके बारे में बताना, अभिवादन करना, छोटे-छोटे कार्यक्रमों का सूत्रसंचालन करना, छोटे भाषण देना, कक्षा में वाद-विवाद में भाग लेना आदि। पूछे गए या बताए गए वस्तु या तत्त्व के बारे में पाँच-छह वाक्यों में जानकारी देता है।	३, १९, ४९, ६५, ७५
	1.3.2	त्योहारों, समारोहों और विशेष अवसरों पर शुभकामनाएँ व्यक्त करता है और जानकारी देता है।	२५, ३२, ४५, ५६
	1.3.3	विभिन्न स्कूल कार्यक्रमों (कविता, नाटक, गौरव गीत, आदि) में मौखिक प्रस्तुतियाँ देता है।	१६, ५१, ६२, ७३
	1.3.4	दिए गए विषय पर अपना उपयुक्त मत देता है।	३७, ४१, ६३, ७१, ७३, ७४, ७६
C-2.1		विभिन्न प्रकार के पाठ्य आशय को समझने के लिए विभिन्न प्रकार की कार्यनीति (कृति-योजना) का उपयोग करता है (अनुमान लगाना, पूर्वानुमान लगाना, दृश्य चित्र बनाना, आदि)	४५
	2.1.1	पढ़ी गई पाठ्य सामग्री (गद्य और पद्य) में घटनाओं का सही क्रम लगता है।	६, ७, ३५, ३७, ३९, ५४
	2.1.2	पाठ में मुख्य घटनाओं और पात्रों के बारे में बताता है।	१२, ३४, ३५
	2.1.3	पाठ में विरामचिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नचिह्न, एकल/दोहरा उद्धरण चिह्न, विस्मयादिबोधक चिह्न) का उपयोग करता है।	७, ३१, ४७, ७३, ७८
	2.1.4	पढ़े गए पाठ की विषय वस्तु के बारे में पूर्वानुमान लगाता है और उन्हें अपनी भाषा में व्यक्त करता है।	१२, ५२, ७८
	2.1.5	पढ़े गए पाठ के बारे में ४ से ५ वाक्यों में निष्कर्ष और मत व्यक्त करता है।	११, १२, ५२, ५५, ७४
C-2.2		मुख्य विचारों को समझकर पढ़ी गई सामग्री से आवश्यक निष्कर्ष निकालता है। वैज्ञानिक शब्दावली का विकास।	६०
	2.2.1	पढ़े गए विभिन्न प्रकार के साहित्य की सामग्री, घटनाओं, पात्रों और कथानक के बारे में राय व्यक्त करता है।	५०, ७०
	2.2.2	अपने द्वारा पढ़े गए पाठ में पात्रों और मुख्य पात्रों के बारे में अपनी राय व्यक्त करता है।	१२, ३०, ७१
	2.2.3	पढ़े गए साहित्य (गद्य/पद्य) की विषय-वस्तु और निष्कर्ष बताता है।	२६, ४९, ७६
C-3.1	3.1.1	लेखन कार्यनीति का उपयोग करता है। उदाहरण के लिए, अनुक्रम निर्धारित करता है, शीर्षकों/उपशीर्षकों की पहचान करता है, प्रारंभ-अंत और अनुच्छेद बनाता है। दिए गए शब्द समूहों से सुसंगत वाक्य बनाकर लिखता है।	१०, १५, ४०, ५०, ८४
	3.1.2	व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर एक अनुच्छेद बनाता है जिसमें क्षेत्र में घटित घटनाओं का क्रमशः वर्णन हो। व्यक्तिगत राय के साथ समापन करता है।	६५, ८६, ८७
	3.1.3	अपरिचित पाठ पढ़ता है और शीर्षक लिखता है।	१५, ४४, ६६
	3.1.4	विभिन्न साहित्यिक विधाओं में अपने अनुभवों को ४-५ वाक्यों में प्रस्तुत करता है और उपयुक्त शीर्षक देता है।	८२
C-3.2	3.2.1	दिए गए पाठ के विषय, अवधारणा और समझ को व्यक्त स्पष्ट करने वाला सुसंगत अनुच्छेद लिखता है।	८३, ८५, ८८
	3.2.2	दिए गए पाठ में किसी स्थिति के आधार पर अपना मत लिखता है।	८०
	3.2.3	किसी दिए गए विषय पर छह-से-आठ वाक्यों का एक स्पष्ट और सुसंगत अनुच्छेद लिखता है।	४७, ७६
C-3.3		भित्ति चित्र, हस्तलेखन, निमंत्रण, कविताएँ, कहानियाँ और संवाद आदि का लेखन कार्य करता है।	४२
	3.3.1	विविध विषयों पर पोस्टर तैयार करता है।	२०, ५५, ६२
	3.3.2	दिए गए विषय पर साहित्य तैयार करने के लिए सामग्री जुटाता है।	२९, ३३
	3.3.3	पाठशाला के सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए निमंत्रण कार्ड तैयार करता है।	४४, ४५, ५४
	3.3.4	संप्रेषणात्मक तरीके से अपने अनुभव के बारे में लिखता है।	६३, ७७
C-3.4	3.4.1	उचित विरामचिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, अर्धविराम, प्रश्नचिह्न, विस्मयादिबोधक चिह्न, एकल और दोहरा उद्धरण चिह्न) और संयुक्ताक्षर शब्दों को उपयोग करके पाँच से छह पंक्तियों में एक अनुच्छेद लिखता है।	५, १९, ३१, ४४, ४७, ७८, ८०, ८६
	3.4.2	वर्तनी के नियमों को ध्यान में रखते हुए शब्दों और वाक्यों का निर्माण करता है।	९, १४, ४१
	3.4.3	विशेषण, क्रिया और काल को ध्यान में रखते हुए अनुच्छेद लेखन करता है।	१३, १७, २२, २९, ५१, ५७, ६६, ८१
C-4.1	4.1.1	एक शब्द के विभिन्न अर्थों और समान अर्थवाले विभिन्न शब्दों को समझता है। समानार्थी और विलोम शब्दों की सूची बनाता है।	१६, ३०, ३३, ३७, ७७, ८८

	4.1.2	बहु अर्थवाले शब्दों को एकत्रित करता है।	५५
	4.1.3	शब्दों के अर्थ को समझता और उनका व्यावहारिक रूप से उपयोग करता है।	८४
C-4.2		विभिन्न शब्दिक चित्र खेलों के माध्यम से शब्दसंपत्ति विकसित करने में रुचि दिखाता है।	६४
	4.2.1	प्रत्यक्ष कृति द्वारा शब्दचित्रों और शब्दखेलों के माध्यम से नए शब्द संकलित करता है।	६, ७, १०, ११, १९, २१, २२, २८, ३२, ३६, ४०, ४४, ६२, ६३, ६६, ८०
	4.2.2	एक शब्द का पर्याय लेकर दूसरे शब्दों का उपयोग करके वाक्य लेखन करता है।	४, २६, ४६, ७२
	4.2.3	भाषा खेल के माध्यम से शब्दावली में वृद्धि करता है।	२८, ४१, ५१, ५५, ५९
	4.2.4	पूरक पठन सामग्री से भाषाई खेल के माध्यम से शब्दसंपत्ति में वृद्धि करता है।	४२, ५५, ५८, ६६, ८७
	4.2.5	शब्द पहलियाँ हल करता है।	१४, २८, ४२, ६६, ८६
C-4.3	4.3.1	लोकसाहित्य (लोककथाएँ, लोक गीत, लोक कला) पढ़कर उससे शब्दसंग्रह प्राप्त करता है। जैसे श्लोक, आला, पद, लोरी, फाग, सुवचन, पारंपारिक गीत पढ़ी गई लोककथाओं से अपरिचित शब्दों को सूचीबद्ध करता है।	४, १८, २१, ४६, ८२
	4.3.2	पदों या भजन में आए अपरिचित शब्दों का अर्थ विद्यालय के शब्दकोश में ढूँढ़ता है।	४, ४३, ४६
	4.3.3	लोकसाहित्य पढ़कर अपरिचित शब्द ढूँढ़ता है और शब्दसंपत्ति में वृद्धि करता है।	२४, ८७
	4.3.4	पढ़े हुए लोकसाहित्य को अपनी भाषा में पुनः सुनाता है।	६५
C-5.1	5.1.1	नियमित रूप से पढ़ने के लिए ग्रंथालय से पुस्तकों का आदान - प्रदान करता है। ग्रंथालय में विभिन्न पुस्तकों की पहचान कर लेता है।	५६, ५९, ८७
	5.1.2	ग्रंथालय से पाठ्यसामग्री को सँभालना और उनके प्रकार के अनुसार वर्गीकृत करना।	३३, ८४
	5.1.3	पाठशाला के ग्रंथालय से पूरक और संदर्भ पुस्तकों का नियमित रूप से आदान - प्रदान करता है।	१०, १४, २३, ५८, ८९
C-5.2		ग्रंथालय से पुस्तकें पढ़ने में रुचि दिखाता है।	५०, ५४
	5.2.1	ग्रंथालय से पुस्तकें पढ़कर कौन - सा भाग पसंद आया; यह बताता है।	२१, ३२, ३६, ७२, ८०
	5.2.2	अभिभावकों और शिक्षकों की सहायता से ई-लाइब्रेरी का उपयोग करता है।	६, २२, २८, ४०, ५६, ७९, ८९
C-5.3	5.3.1	समाचारपत्र की सुर्खियाँ/शीर्षक पढ़ता है और जानकारी प्राप्त करने में रुचि दिखाता है समाचारपत्रों में विभिन्न समाचारों के शीर्षक पढ़ता है।	३७, ६७
	5.3.2	पढ़े गए समाचार के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देता है।	६७
	5.3.3	सूचनाफलक पर समाचार-कतरनों को प्रदर्शित करता है।	२५, ६३, ६८, ७८
	5.3.4	सहपाठियों को सुने और पढ़े समाचार बताता है।	५९, ६९

शिक्षकों/अभिभावकों और सुलभकों से बातचीत...

प्रिय शिक्षको/अभिभावको और सुलभको!

- सर्वप्रथम संपूर्ण पाठ्यपुस्तक का आकलन सहित वाचन करें।
- किसी पाठ का अध्यापन करने से पहले उसके नीचे दिए गए अध्यापन संकेतों को भली-भाँति समझकर उनका पालन करें।
- पाठ्यपुस्तक में आए प्रतीक-चिह्नों को समझकर विद्यार्थियों को समझाएँ। अध्ययन-अध्यापन करते समय विशेष बच्चों के लिए सांकेतिक चिह्नों की भाषा एवं अन्य पूरक अध्यापन पद्धति का उपोग करें। उन्हें जिस पद्धति से संभव हो; उस पद्धति से व्यक्त होने का अवसर दें। सभी विद्यार्थियों के साथ उन्हें समान अवसर प्रदान करें। समय-समय पर प्रोत्साहन दें।
- ध्यान दें कि पुस्तक में दी गई संपूर्ण पाठ्यसामग्री का उद्देश्य, अध्ययन अनुभवों द्वारा भाषाई कौशलों एवं क्षमताओं के विकास के साथ पाठ के आशयों के अनुसार मूल्यों, संस्कारों और जीवन कौशलों का विकास करना है।
- 'पूर्वानुभव', 'देखो, सुनो और बताओ', 'पढ़ो, समझो और लिखो', 'चर्चा करो', 'मिलकर गाओ' आदि सभी पाठ, कृतियाँ एवं स्वाध्याय आनंददायी वातावरण में पूर्ण कराएँ। कृतियाँ पूर्ण करने में विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।
- कविता, कहानी एवं संवाद आदि का अध्ययन अनुभव देते समय उचित उच्चारण, हाव-भाव, लय-ताल, आरोह-अवरोह आदि का ध्यान दें एवं आवश्यकतानुसार उपयुक्त शैक्षणिक सामग्री का उपयोग अवश्य करें।
- अध्ययन-अध्यापन के समय पाठों में समाविष्ट अध्ययन क्षमताओं और निष्पत्तियों पर ध्यान दिया जाना अपेक्षित है। विद्यार्थियों में इनका विकास होना आवश्यक है।
- ध्यान दें कि इस पाठ्यपुस्तक के पाठों में पूछे गए प्रश्न उन्हीं पाठों तक सीमित नहीं हैं। विद्यार्थियों की कल्पना एवं विचारशक्ति के विकास हेतु पाठ को आधार बनाकर पाठबाह्य प्रश्न भी पूछे गए हैं। इनके अध्ययन पर विशेष ध्यान दें।
- विश्वास है कि आप सभी अध्ययन-अध्यापन में इस पाठ्यपुस्तक का कौशलपूर्वक उपयोग करेंगे और विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि एवं आत्मीयता जागृत करने में सहयोग देंगे।

पाठ्यपुस्तक के सभी प्रारंभिक निर्देशों और अध्ययन निष्पत्तियों का बारीकी से अध्ययन करें, उन्हें समझें और उसके बाद ही अध्यापक प्रत्यक्ष अध्यापन कार्य करें।

विषयसूची

पहली इकाई

१. कला-कौशल	१
२. सार्वजनिक स्थल	२
३. प्रार्थना	४
४. बाग	८
५. संकल्प	१२
६. जीवन	१६
✿ पुनरावर्तन - १ ✿	२१

दूसरी इकाई

१. ई-पुस्तकालय	२३
२. लोक संस्कृति	२४
३. चिरैया	२६
४. प्यारी लाड़ो	३०
५. पेड़ की गवाही	३४
६. उलझन	३८
✿ पुनरावर्तन - २ ✿	४३



तीसरी इकाई

१. वार्षिकोत्सव	४५
२. हमारी संस्कृति, हमारे खेल	४६
३. चतुर चित्रकार	४८
४. कूड़ेदान में पेड़	५२
५. संगणक का कमाल	५६
६. उठो! देश के लाल	६०
✿ पुनरावर्तन - ३ ✿	६५

चौथी इकाई

१. समाचार जगत	६७
२. ऊर्जा के स्रोत	६८
३. कौन?	७०
४. प्लास्टिक प्रदूषण	७४
५. मंगल का पत्र	७८
६. हमारा भारत	८२
✿ पुनरावर्तन - ४ ✿	८७

प्रतीक चिह्न



सुनो



बताओ



गाओ



पढ़ो



चर्चा



लिखो



बातचीत



सांकेतिक भाषा



पूर्वानुभव : सुनो और बताओ :

पहली इकाई

१. कला-कौशल



निःशुल्क वितरण के लिए



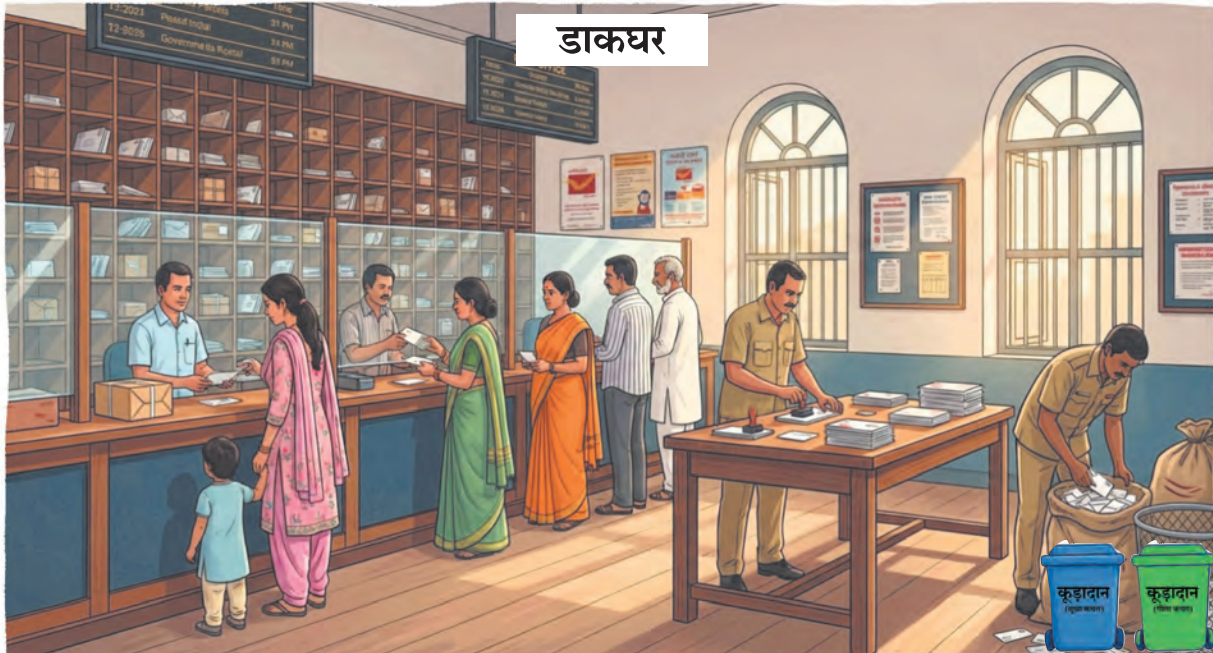
अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। वारली चित्रकला और गुड़िया बनाने की कला पर विद्यार्थियों से क्रमशः चर्चा करें। उन्हें प्रश्न पूछने हेतु प्रेरित करें। सूक्ष्म निरीक्षण के बाद उनसे चित्रों का वर्णन करने के लिए कहें। अपनी दादी से गुड़िया बनाने की विधि की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहें। उन्हें गुड़िया और वारली चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



देखो, पहचानो और चर्चा करो :



२. सार्वजनिक स्थल



अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्रों का आकलन करने के बाद विद्यार्थियों से उनका वर्णन कराएँ। डाकघर में टिकट विक्रेता और ग्राहक के बीच का संवाद सुनाएँ। इसी प्रसंग पर उनकी जिज्ञासा के अनुरूप प्रश्नोत्तर के रूप में संवाद प्रस्तुत करने के लिए कहें। संवाद प्रस्तुत करते समय एक-एक विद्यार्थी को बोलने दें।



अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्र के आधार पर 'बस स्थानक' और 'अस्पताल' का वर्णन कराएँ। प्रत्येक चित्र के विशिष्ट बिंदुओं पर चर्चा कराएँ एवं संबंधित विषय का वर्णन करने के लिए कहें। पास के 'बस स्थानक' या 'अस्पताल' के बारे में जानकारी प्राप्त करके परिपाठ में प्रस्तुत कराएँ। विशेष विद्यार्थियों को 'बस स्थानक' तथा 'अस्पताल' के संबंध में प्रश्नोत्तर द्वारा समझाएँ।



सुनो, समझो और मिलकर गाओ :



३. प्रार्थना



– राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक, तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में, तू ही तो है।



सागर से उठा, बादल बनके,
बादल से फटा, जल हो करके।
फिर नहर बना, नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है।

अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का गायन करें तथा विद्यार्थियों से अनुगायन कराएँ। तुकांत शब्दों के बारे में चर्चा कर कविता लिखने के लिए प्रेरित करें। कविता में आए अपरिचित शब्दों के अर्थ बाल शब्दकोश से खोजने के लिए कहें। किन्हीं पाँच शब्दों का श्रुतलेखन करवाएँ। उन्हें विविध लोकगीत, कहानियाँ उपलब्ध करवाएँ और ऐसा साहित्य सुनने, पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। पढ़े और सुने गए साहित्य से अपरिचित शब्द ढूँढ़ने और उनका संग्रह करने के लिए कहें। अपरिचित शब्दों के अर्थ समझकर बोल-चाल में उनका प्रयोग कराएँ। विशेष विद्यार्थियों को हाव-भाव तथा संकेत चिह्न के आधार पर समझाएँ। संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, संत नामदेव और संत एकनाथ के पद सुनाएँ और दोहरवाएँ।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष, विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥



यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़्या कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एक ही है।



पढ़ो और समझो :

;

- विद्या की शोभा विनय से होती है; विनय से योग्यता प्राप्त होती है; योग्यता से सम्मान प्राप्त होता है।
- हम सब एक हैं; एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी होते हैं।

नये शब्द : भेष = वेश; विश्व = संसार; दिव्य = अलौकिक; अरु = और।

अध्यापन संकेत : अर्धविराम चिह्न की पहचान कराएँ। यह चिह्न अपने लेखन में कब, कहाँ लगाना है, यह समझाएँ। विविध विरामचिह्नों पर चर्चा करें। इसी प्रकार के वाक्य देकर विद्यार्थियों से अभ्यास कराएँ। स्वास्थ्य संबंधी राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के विचारों की जानकारी दें और उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) प्रकृति का सौंदर्य।
- (ख) प्रार्थना की आवश्यकता।
- (ग) विनम्र होने के लाभ।
- (घ) हम सब एक हैं।



(२) पुस्तकालय अथवा ई-पुस्तकालय से अपने प्रिय संतकवि की जानकारी ढूँढ़कर पढ़ो :

(३) दिए गए अधूरे वाक्यों में परिचित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य पूर्ण करो :

- (च) हर में तू, हर में तू। (वेश, देश, भेष, शेष)
- (छ) से उठा, बनके। (बादल, समुद्र, मेघ, सागर)
- (ज) बस मैं तू सब ही है। (मनू, अनेक, अरू, एक)
- (झ) सब में, में तू ही तो है। (मेल, जेल, खेल, भेल)



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) नीचे दी गई पंक्तियों को सही क्रम में लिखो :

- बादल से फटा, जल हो करके।
- सागर से उठा, बादल बनके,
- तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है।
- फिर नहर बना, नदियाँ गहरी,



(६) नीचे दिए गए विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखो :

(, ! ? ।)

(ट) कविता के कवि कौन हैं

(ठ) सब खेल में मेल में तू ही तो है

(ड) वाह बहुत सुंदर चित्र है

(ढ) यह हमारी पाठशाला है



(७) तालिका पूर्ण करो और उन शब्दों का प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य कॉपी में लिखो:

राज्य का नाम	भाषा	मुख्य व्यंजन
महाराष्ट्र		
पंजाब		
गुजरात		



‘प्रार्थना’ कविता
का आशय
बताओ।



सुनी हुई
कविता का
गायन करो।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



४. बाग



किसी बाग में एक नटखट गिलहरी रहती थी। उस बाग के सभी पक्षी उसे प्यार से गुल्लो रानी कहते थे। गुल्लो रानी जिस पेड़ पर रहती थी, उसी के नीचे बिल में एक चूहा भी रहता था। वह चूहा गुल्लो से दोस्ती करना चाहता था। एक दिन उसने गुल्लो को रोककर कहा, “गुल्लो रानी, क्या तुम मुझसे दोस्ती करोगी?” चूहे को देखकर गुल्लो ने कहा, “मैं तुमसे क्यों दोस्ती करूँ?”

यह सुनकर चूहा उदास हो गया।

एक दिन उसी बाग में एक नया तोता आया। गुल्लो ने उससे कहा, “अजनबी तोते, तुम कहाँ से आए हो?” तोते ने कहा, “मेरा नाम मिट्ठू है। मैं यहीं नजदीक के ही एक बाग से आया हूँ। मेरा साथी शुक्कू तोता पता नहीं कहाँ चला गया? उसे ढूँढ़ रहा हूँ।”

पेड़ के नीचे अपने बिल में बैठा चूहा भी उन दोनों की बातें सुन रहा था। उससे रहा नहीं गया। वह बिल से बाहर निकल आया।

उसने कहा, “गुल्लो बहना! यदि तुम चाहो तो हम दोनों मिलकर शुक्कू को ढूँढ़ने में मिट्ठू की मदद कर सकते हैं।”



यह सुनकर गुल्लो को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि यह चूहा भी कभी अच्छा काम कर सकता है।

गुल्लो ने चूहे से पूछा, “अच्छा, जरा मैं भी तो सुनूँ, तुम किस तरह शुक्कू को ढूँढ़ लोगे?”

चूहा बोला, “गुल्लो बहना! इस बाग में आने से पहले मैं नजदीक के ही एक गाँव में रहता था। वहाँ खाने-पीने की सुविधा थी पर गाँववासियों ने हमें भगाना शुरू कर दिया। मैं

अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह के साथ कहानी सुनाएँ। विद्यार्थियों से एकल एवं समूह में एक-एक परिच्छेद का क्रमशः वाचन कराएँ। कहानी के किसी अंश, परिच्छेद पर उनसे चर्चा कराएँ। मुख्य पात्रों, घटनाओं और उनके बीच संबंधों की पहचान कराएँ। चूहे की भूमिका पर चर्चा कराएँ। उनको कहानी के मुख्य विचार, बिंदु, संकल्पना को विस्तार से बताने के लिए कहें। उनसे कहानी का सारांश कहलवाएँ। अभयारण्यों की जानकारी दें। विशेष विद्यार्थियों को कहानी की रूपरेखा बताएँ। पक्षी मित्र डॉ. सालिम अली की जानकारी दें।

भागकर इस बाग में आ गया। गाँववासियों को घरों में तोते रखने का बहुत शौक था। वे आस-पास के बागों से तोते पकड़कर ले आते थे। हो ना हो, वहाँ का ही कोई व्यक्ति शुक्कू को पकड़कर ले गया हो! मैं अक्सर उस गाँव के घरों में जाता रहता हूँ। शुक्कू जिस घर में भी होगा, मैं पता लगा लूँगा। तुम्हें और मिट्टू तोते को मेरा साथ देना होगा।” गुल्लो और मिट्टू को चूहे की बात अच्छी लगी।

चूहा और गुल्लो जब उस गाँव में घर-घर जाकर शुक्कू की तलाश कर रहे होते, मिट्टू उनके साथ उड़ता हुआ घरों की छत पर बैठकर शुक्कू-शुक्कू रटने लग जाता था।

एक दिन एक घर में शुक्कू अपना नाम सुनकर चौकन्ना हो गया। वह ‘मिट्टू-मिट्टू’ पुकारने लगा। शुक्कू की पुकार दोनों ने सुनी। वे उछलकर उस घर में खूँटी पर लटक रहे



पिंजड़े पर चढ़ गए। दोनों ने मिलकर पिंजड़े की कुंडी खोल दी। पिंजड़ा खुलते ही शुक्कू उड़कर घर की छत पर मिट्टू के पास पहुँच गया। तब से मिट्टू और शुक्कू भी उस चूहे और गुल्लो रानी के साथ ही उसी बाग में खुशी से रहने लगे।

विशेषण पढ़ो, समझो और बताओ :



सच्चा



अधिक



तीन



यह

चित्रों के नीचे लिखे शब्द संज्ञा की विशेषताएँ बताते हैं। संज्ञा की विशेषता बताने वाले ये सभी शब्द ‘विशेषण’ हैं और गुणवाचक, परिमाणवाचक, संख्यावाचक और सार्वनामिक विशेषण के भेद हैं।

नये शब्द : नटखट = शरारती; अजनबी = जिसे पहचानते नहीं; तलाश = खोज; कुंडी = सिटकनी।

मुहावरे : चौकन्ना होना = सावधान होना, सचेत होना ।

अध्यापन संकेत : विशेषणों के अन्य उदाहरण देकर विद्यार्थियों से दृढ़ीकरण करवाएँ। पाठ्यपुस्तक से ऐसे विशेषण शब्द ढूँढ़ने के लिए कहें। प्रत्येक प्रकार के विशेषणों का प्रयोग करते हुए चार वाक्यों का परिच्छेद लिखवाएँ।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) पालतू प्राणी।
- (ख) पेड़ पर घोंसला बनाकर रहने वाले पक्षी।
- (ग) पशु-पक्षियों की बोली।
- (घ) चित्र सहायक होते हैं।



(२) पुस्तकालय से पुस्तक लेकर जंगली अथवा पालतू जानवरों की कोई एक कहानी पढ़ो।

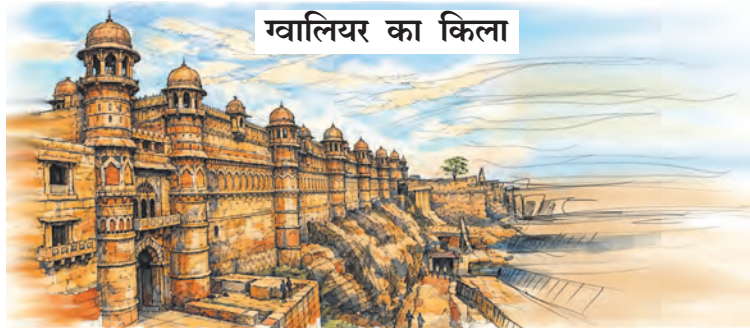


(३) दिए गए शब्दों से उचित वाक्य बनाकर लिखो :

शब्द	वाक्य
(च) नटखट	-
(छ) उदास	-
(ज) मिट्टू	-
(झ) पिंजड़ा	-



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य कॉपी में लिखो :



(५) नीचे दिए गए शब्दों के लिए समान अर्थवाले शब्द पाठ से ढूँढ़कर लिखो :

शब्द	पाठ में आए शब्द
बगीचा	
मित्रता	
सहायता	
खोजना	



(६) दिए गए संज्ञा शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाओ और चर्चा करो :

पेड़ शक्कर घर बुढ़ापा पानी

निःशुल्क वितरण के लिए



(७) हर सप्ताह कक्षा में आधे घंटे की मौखिक प्रश्नोत्तरी लेना लाभदायक होगा या नहीं, इसके बारे में अपने विचार लिखो :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....



‘पंछियों को बंदी न बनाएँ’ पाठ के आधार पर अपने विचार व्यक्त करो।



पाठ के निष्कर्ष पर चार-पाँच वाक्यों में अपना मत बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। बनाई गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।



५. संकल्प



(सलिल और मनोज दोनों मित्र हैं। मनोज फूलों की दुकान से पुष्पगुच्छ खरीद रहा था। इतने में सलिल वहाँ आ गया।)

सलिल : (मनोज को देखकर) मनोज, तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।

मनोज : मैं बहुत परेशान था। हमारी पड़ोसन चाची जी सवेरे-सवेरे कहीं बाहर जा रही थीं। मैंने पूछा, “चाची जी! कहाँ जा रही हो?” इतना पूछना था कि वे आगबबूला हो गईं और बड़बड़ाती हुई घर लौट पड़ीं। मेरे माता-पिता जी भी बाहर आ गए। वे मुझे डाँटने लगे। मेरी समझ में नहीं आया कि मुझसे ऐसी क्या गलती हो गई!

(नेहा, सरिता और अनिकेत भी मनोज की बात सुन रहे थे।)

नेहा : मनोज, कुछ लोगों का मानना है कि किसी काम के लिए बाहर निकल रहे व्यक्ति को टोक दें तो उसका काम नहीं होगा। चाची भी अंधविश्वासी है इसलिए तो बुरा मान गई होंगी।



अनिकेत : कुछ लोग कहते हैं कि बिल्ली अगर रास्ता काट दें तो काम नहीं होगा। किसी के छींकने से बात सच साबित होगी अथवा पानी से भरा हुआ मिट्टी का घड़ा लेकर कोई सामने आ जाए तो काम बन जाएगा। झाड़-फूँक करने से बीमारी दूर हो जाएगी।

अध्यापन संकेत : हाव-भाव के साथ संवाद पढ़कर सुनाएँ। संवाद के मुख्य मुद्दों पर उचित चर्चा कराएँ। पाठ के आशय पर उन्हें विचार व्यक्त करने के लिए कहें। पाठ में आए पात्र और उनके व्यक्तित्व के बारे में बताने के लिए कहें। पढ़े हुए पाठ का निष्कर्ष अपनी भाषा में चार-पाँच वाक्यों में बताने के लिए कहें। अंधविश्वास, शकुन-अपशकुन एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर चर्चा करें। पाठ में आए पात्रों की सूची बनाकर उनके हाव-भाव गुण-दोषों के बारे में अपना मत व्यक्त करने के लिए कहें। पाठ में आए मुहावरे-कहावतें बताने के लिए कहें। मुहावरों के अर्थ विशेष विद्यार्थियों को समझाएँ।

सरिता : ये सारे अंधविश्वास हैं।

अनिकेत : पता नहीं लोग कब इन बातों से बाहर आएँगे?

सरिता : पढ़े-लिखे लोगों पर अंधविश्वासों को दूर करने की ज्यादा जिम्मेदारी है।

मनोज : मैंने तो सहज ही चाची जी से यह प्रश्न पूछा था परंतु इससे वातावरण ही बदल गया। सोचता हूँ, इसके बाद किसी से कुछ पूछूँगा ही नहीं।

अनिकेत : नहीं, समस्या से दूर भागकर नहीं चल सकता। हमें धीरे-धीरे लगन और निष्ठा से समाज की सोच को बदलना होगा।

नेहा : अंधश्रद्धा को जड़ से मिटाना होगा। प्रत्येक की आँखें खोलनी होंगी।

सरिता : हम चारों आज संकल्प करें कि हममें से कोई भी शकुन-अपशकुन में विश्वास नहीं करेगा। जो ऐसा कर रहे हैं, उन तक पहुँचकर हम उन्हें समझाएँगे कि ये सारी बातें कितनी निरर्थक हैं!

नेहा : नेकी और पूछ-पूछ? चलो, आज से ही हम इसकी शुरुआत करेंगे। चलो! हम पड़ोसन चाची जी के पास जाकर सबसे पहले उन्हें समझाएँगे।

(सभी चाची के घर की ओर चल पड़े)

पढ़ो और समझो :

* लाल सिग्नल लगने पर गाड़ियाँ रुकती हैं।

* पीला सिग्नल होने पर गाड़ियाँ चलने को तैयार हो जाती हैं।

* हरा रंग होने पर गाड़ियाँ आगे बढ़ेंगी।

ऊपर दिए गए वाक्य पढ़ो। उनमें आए 'सिग्नल', 'गाड़ियाँ', 'रंग' शब्द 'संज्ञा' हैं। 'लाल', 'हरा', 'पीला' शब्द 'विशेषण' हैं। 'रुकती हैं', 'बढ़ेंगी', 'हो जाती हैं' ये शब्द क्रिया और काल की जानकारी दे रहे हैं।

इसी तरह अन्य वाक्य बनाकर लिखो और अभ्यास करो।

नये शब्द : संकल्प = दृढ़ निश्चय; अंधविश्वासी = बिना सोचे समझे विश्वास करने वाला।

मुहावरे : ईद का चाँद होना = बहुत दिनों के बाद दिखाई देना; आगबबूला होना = अत्यंत क्रोधित होना; जड़ से मिटाना = समूल नष्ट करना; आँखें खुलना = सच्चाई का पता चलना।

कहावत : नेकी और पूछ-पूछ = अच्छा कार्य करने के लिए किसी से पूछने की आवश्यकता नहीं।

अध्यापन संकेत : संज्ञा, विशेषण, क्रियायुक्त वाक्यों का विभिन्न कालों के अनुसार परिच्छेद लिखने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करें। क्रिया और काल के संदर्भ में विशेष विद्यार्थियों से अभ्यास कराएँ।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) चाची जी आगबबूला हो गईं।
- (ख) अंधविश्वासों के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।
- (ग) समाज से अंधश्रद्धा दूर करने के उपाय।
- (घ) अंधविश्वास का कोई अपना अनुभव।



(२) पुस्तकालय से तुम्हारी पसंद की कहानियों की कोई एक पुस्तक लेकर पढ़ो और उसमें से एक कहानी कक्षा में सुनाओ।



(३) कोष्ठक में दिए गए शब्दों को लेखन नियमों के अनुसार उचित स्थान पर लिखो।
(ओर, भी, ही, और)

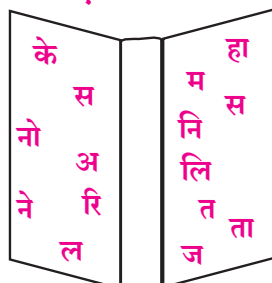
- (च) चाची जी अंधविश्वासी है।
- (छ) सलिल मनोज दोनों मित्र हैं।
- (ज) इससे वातावरण बदल गया।
- (झ) सभी चाची के घर की चल पड़े।



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) पाठ में आए पात्रों के नाम ढूँढ़कर लिखो :





(६) वाक्य में आए कर्ता, कर्म, क्रिया पहचानो और तालिका में लिखो :

- (ट) मनीष ने अपना निबंध सुनाया।
- (ठ) पंछी घोंसला बनाते हैं।
- (ड) बच्चों ने छुट्टियों में पुस्तकें पढ़ी थीं।
- (ढ) बंदर ने घंटी बजाई।

कर्ता	कर्म	क्रिया



(७) पाठ के विषय से संबंधित अन्य अपरिचित पाठ पढ़ो। पढ़े हुए पाठ की विषयवस्तु को समझकर उसके लिए दूसरा उचित शीर्षक लिखो।



बातचीत



हर दिन व्यायाम करने के संकल्प पर अपना मत व्यक्त करो।



इस पाठ में तुम्हें किस-किसके विचार सबसे अधिक पसंद आए, यह बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। बनाई गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।



सुनो, समझो और मिलकर गाओ :



६. जीवन



— निर्मला सिंह

समय का सबसे कहना है, जीवन चलते रहना है,
इसको मत बरबाद करो, सदा काम की बात करो।

कल-कल नदियाँ बहती हैं, हर पल सबसे कहती हैं,
जीवन बहता पानी है, रुकना मौत की निशानी है।

मस्त हवाएँ गाती हैं, हमको यह समझाती हैं,
हर पल आगे बढ़ना है, हर मुश्किल से लड़ना है।



अध्यापन संकेत : कविता को उचित हाव-भाव लय और स्पष्ट उच्चारण के साथ गायन करके दो बार सुनाएँ। विद्यार्थियों से कविता गवाएँ और दोहरवा लें। उनसे कविता में आए नये शब्द और महत्वपूर्ण बिंदुओं को बताने के लिए कहें। कविता का आशय बताने के लिए प्रेरित करें। इस कविता को उनसे परिपाठ में प्रस्तुत कराएँ। कविता में आए शब्द जीवन, सदा, ऊँचा, ऊपर आदि शब्दों के समानार्थी और विलोम शब्द पूछें। भूकंप और त्सुनामी के बारे में जानकारी दें। कविता के मुख्य विचार पर चर्चा करवाएँ।



फूल सदा मुसकाते हैं, हमको यह समझाते हैं,
जीवन हँसते रहना है, दुख भी, सुख भी सहना है।

ऊँचे पर्वत कहते हैं, हर मौसम को हम सहते हैं,
तुमको ऊपर उठना है, नहीं कभी भी झुकना है।

कर्म ही जिसकी रीत है, सत्य से जिसको प्रीत है,
अंत में उसकी जीत है, समय भी उसका मीत है।

देखो, पढ़ो और समझो :

नीचे दिए गए शब्द ध्यानपूर्वक पढ़ो। उनमें कुछ अधोरेखांकित वर्णों पर लगाई हुई शिरोरेखा को देखो। इन वर्णों पर शिरोरेखा दी गई पद्धति से लगाई जाती है।

नभ

मन

धन

घर

क्षण

समय

शरबत

ऋषि

श्रम

छह

नथ

बया

नये शब्द : पल = क्षण; रीत = पद्धति; प्रीत = स्नेह; जीत = विजय; मीत = मित्र।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से शब्दों का वाचन कराएँ। भ, ध, क्ष, श, श्र, थ जैसे वर्णों पर शिरोरेखा लगाने के रूप समझाएँ। इन वर्णों का प्रयोग करके अन्य शब्द बताने और उचित प्रकार से शिरोरेखा लगाकर लिखने का अभ्यास कराएँ। आपस में शब्दों की जाँच करने के लिए कहें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) समय का संदेश।
- (ख) हर मुश्किल से लड़ो।
- (ग) जीवन में कर्म का महत्त्व।
- (घ) मौसमों की जानकारी।



(२) पुस्तकालय से लोकगीतों की पुस्तक लेकर उसमें से कोई एक लोकगीत पढ़कर उसमें आए अपरिचित शब्दों की सूची बनाओ।



(३) निम्नलिखित वाक्य पूर्ण करके लिखो :

- (च) हम फूलों से सीखते हैं -
- (छ) हमसे हवाएँ कहती हैं -
- (ज) नदियाँ ऐसे बहती हैं -
- (झ) हम सदैव इसकी बात करेंगे -



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :





(५) निम्नलिखित समानार्थी शब्दों के लिए कविता में आए शब्दों को ढूँढो। उनका सार्थक वाक्यों में प्रयोग करो :

शब्द वाक्य

कार्य -

क्षण -

कठिन -

सुमन -



(६) नीचे दिए वाक्यों में आई क्रियाएँ पहचानकर लिखो :

(ट) हम सुबह विद्यालय जल्दी जाते हैं।

(ठ) विद्या कंपास बॉक्स रखती है।

(ड) हम हर पल आगे बढ़ेंगे।

(ढ) नदियाँ बहती हैं।



(७) घर में पढ़ाई करते समय अगर बिजली चली जाए तो तुम क्या करोगे, बताओ।



पढ़ाई करते समय आने वाली बाधाएँ दूर करने के उपाय बताओ।



पर्वतों से हमें क्या सीख लेनी चाहिए और क्यों, बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। बनाई गई कृतियों का अभ्यास कराते हुए विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



देखो, पढ़ो और समझो :

- * नीचे पर्यावरण से संबंधित पोस्टर दिया है। उसका निरीक्षण करो। इस विषय पर समूह में चर्चा करो :



अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए पोस्टर का विद्यार्थियों से निरीक्षण कराएँ। पोस्टर का घोषवाक्य पढ़वाएँ। विद्यार्थियों के समूह बनाकर उनसे पोस्टर में दिख रही विभिन्न वस्तुओं की सूची बनवाएँ। प्रत्येक समूह को अन्य विषय दें और पोस्टर बनवाएँ। पाठशाला में पोस्टरों की प्रदर्शनी लगवाएँ। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



(१) कोई एक लोकगीत सुनो और उसमें आए नए शब्दों का संग्रह करो।



(२) पाठशाला के पुस्तकालय से कोई भी एक मनपसंद पुस्तक पढ़कर उसमें कौन-सा भाग पसंद आया, यह बताओ।



(३) एक-दो शब्दों में उत्तर लिखकर वाक्य पूर्ण करो :

(क) 'प्रार्थना' कविता के कवि -

(ख) गिलहरी को इस नाम से बुलाते थे -

(ग) हिंदी समाचारपत्र का नाम -

(घ) समाज में फैला अंधविश्वास -



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य लिखो :



.....

.....

.....

.....

.....

.....



(५) कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण करो। उनसे बनी कहानी कक्षा में बताओ :

(टोपीवाला, थक, पेड़, थैली, बंदर, नींद, गुस्से, ओर, फल, हताश, पटक, घर, नीचे)

- * एक टोपियाँ बेचकर घर की तरफ लौट रहा था।
- * टोपीवाला गया था। आराम करने के लिए वह के नीचे लेट गया।
- * बची हुई टोपियों की वहीं पड़ी थी।
- * उसे देखकर कुछ आए और थैली खोलकर कुछ टोपियाँ साथ ले गए।
- * टोपीवाले की खुली। बड़े से उसने पास पड़ा पत्थर उठाया।
- * बंदरों की फेंका। बंदरों ने भी पेड़ से तोड़कर उसपर फेंके।
- * टोपीवाला हो गया। टोपीवाले ने अपनी टोपी जमीन पर दी।
- * बंदरों ने भी टोपियाँ फेंक दीं। टोपीवाला टोपियाँ उठाकर की तरफ चल पड़ा।



(६) कोष्ठक में दिए गए विशेषणों को पढ़ो। उनका उचित स्थान पर प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखो :

(मधुर, सुंदर, दस, ऊँचे-ऊँचे, जिज्ञासु)

(च) राधा ने स्वर में प्रार्थना की।

(छ) विनय ने पुस्तकें पढ़ीं।

(ज) बच्चों को होना चाहिए।

(झ) पर्वत हमारी रक्षा करते हैं।

(ञ) अनय ने चित्र बनाया।



(७) शिक्षकों की सहायता लेकर पुस्तकालय अथवा ई-पुस्तकालय से सौरमंडल की जानकारी देने वाली पुस्तक पढ़ो।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। बनाई गई कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



१. ई-पुस्तकालय



अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को ई-पुस्तकालय का उपयोग कैसे किया जाता है, इसका प्रत्यक्ष अनुभव दें अथवा विस्तार से उनका वर्णन करें। आवश्यकतानुसार विशेष विद्यार्थियों को भी मार्गदर्शन दें और सहयोग करें। ई-पुस्तकालय से पुस्तकें खोजने में मदद करें अथवा कैसे खोजते हैं, यह बताएँ। उनकी पसंद की पुस्तकें पढ़ने के अवसर प्रदान करें। ई-पुस्तकों का वाचन करके आशय बताने के लिए प्रेरित करें। पाठशाला के पुस्तकालय की व्यवस्था देखने के लिए कहें। पुस्तकालय से पुस्तक लेकर पढ़ने के लिए कहें। किसी पुस्तक के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराएँ।



देखो, पहचानो और चर्चा करो :



२. लोक संस्कृति



अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्रों के आधार पर विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। इन त्योहारों के बारे में सामूहिक चर्चा में भाग लेकर उनसे आपस में संवाद कराएँ। अन्य किसी त्योहार पर संवाद प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें। इन चित्रों में दर्शाई वस्तुओं, व्यक्तियों और प्रसंगों के बारे में चर्चा कराएँ। चर्चा करते समय आए अपरिचित शब्दों के अर्थ ढूँढ़वाकर शब्दसंपदा में वृद्धि कराएँ। संवाद प्रस्तुत करते समय एक-एक विद्यार्थियों को बोलने के लिए कहें।



अध्यापन संकेत : दिए गए चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण करवाकर समूह में उनपर चर्चा कराएँ। अपने परिजनों से 'बैसाखी' त्योहार की जानकारी प्राप्त करके बताने के लिए कहें। दीपावली, ईद, पारसी नववर्ष, क्रिसमस आदि त्योहारों पर एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देने के लिए प्रेरित करें। विभिन्न लोकगीत सुनने के लिए कहें। समाचारपत्र में छपे शिक्षा संबंधी समाचार तथा विज्ञापन आदि की कतरनों को एकत्रित करके कक्षा में प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करें।



सुनो, समझो और मिलकर गाओ :



३. चिरैया



– माधुरी जोशी



मैं चिरैया, मैं गौरैया, अब चाहूँ ठौर-ठिकाना,
इन्सानों की बस्ती में हो, मेरा भी आशियाना।

पीपल चहकूँ, बरगद चहकूँ, चहकूँ अँगना-अँगना,
चाहत मेरी बस इतनी-सी, थोड़ा पानी-दाना,
मैं चिरैया, मैं गौरैया, अब चाहूँ ठौर-ठिकाना।

भूल गए क्या मेरा आना और आकर चहकना,
भीतर से आकर अम्मा का, वो दाना चुगवाना,



अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का गायन करें। विद्यार्थियों से कविता का उचित लय-ताल के साथ अनुगायन कराएँ। तुकांत शब्दों के बारे में चर्चा करें। तुकांत शब्दों की सूची बनवाएँ और पाँच शब्दों का श्रुतलेखन करवाएँ। तुकांत शब्दों का प्रयोग करते हुए चार पंक्तियों की कविता लिखने के लिए कहें।



याद नहीं क्या बिटिया, तुमको छूकर उड़ जाना,
भरी धूप में छत पर पानी, भैया से रखवाना,
मैं चिरैया, मैं गौरैया, अब चाहूँ ठौर-ठिकाना।

नया दौर है, नई डगर है, मैंने कब नहीं माना?
नन्हा बचपन द्वारे बीता, क्या तुमने पहचाना?
मैं चिरैया, मैं गौरैया, अब चाहूँ ठौर-ठिकाना।



नये शब्द : चिरैया-गौरैया = चिड़िया; ठौर-ठिकाना = स्थान; आशियाना = बसेरा, घर; दौर = समय।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को इस कविता का आशय और निष्कर्ष बताने के लिए कहें। कविता का मुख्य भाव बताने के लिए प्रेरित करें। पर्यावरण के संदर्भ में अतीत और वर्तमान में आए अंतर पर चर्चा करें। पाठशाला के विविध शालेय कार्यक्रमों में उन्हें कविता या अन्य गीत प्रस्तुत करने का अवसर दें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) चिरैया को दाना चुगाना।
- (ख) भरी धूप में छत पर पानी रखना।
- (ग) लुप्त होती चिरैया।
- (घ) कम होते वृक्षों के दुष्परिणाम।



(२) शिक्षकों की सहायता से पुस्तकालय अथवा ई-पुस्तकालय से पक्षी मित्र डॉ. सालिम अली की पुस्तक पढ़ो।



(३) पाठ में आए हुए दो पंछियों और दो पेड़ों के नाम लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग करो:



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) वर्ण पहेली से कविता में आए शब्द ढूँढ़कर लिखो। इसी प्रकार की पहेलियों का संग्रह करो :

पा	नी	पी	ज़
ब	च	प	न
स	ह	ल	न्हा
ठि	का	ना	मा
दा	ना	छा	ला

आड़े शब्द (५)

.....

.....

.....

.....

.....

खड़े शब्द (५)

.....

.....

.....

.....

.....



(६) नीचे दिए स्त्रीलिंग और पुल्लिंग शब्दों का वर्गीकरण करके उन शब्दों से एक-एक वाक्य तैयार करो और अपनी कॉपी में लिखो :

(गौरैया, पानी, समय, प्रार्थना, घर, मैदान, रात, नदी)

स्त्रीलिंग शब्द	पुल्लिंग शब्द



(७) अपने परिसर में दिखाई देने वाले पक्षियों का निरीक्षण करो। उनकी चित्र सहित जानकारी कक्षा की हस्तलिखित पत्रिका में लिखने के लिए चर्चा करो। प्रत्येक पक्षी की जानकारी लिखने के लिए अलग पृष्ठ का उपयोग करो।



बातचीत



गौरैया को दाना-पानी देने के संदर्भ में अपना मत व्यक्त करो।



छायादार वृक्षों की आवश्यकता के संदर्भ में अपने विचार बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। विशेष विद्यार्थियों का आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। दी गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।



४. प्यारी लाड़ो



— डॉ. नलिनी श्रीवास्तव

दादी अपनी पोती को देखते ही फूली न समाई। वह कहतीं, “कितनी सुंदर है मेरी लाड़ो! मैं तो इसे प्यारी लाड़ो ही कहूँगी।” घर में एक बिटिया के आ जाने से घर में बहार-सी आ गई है। सभी उससे खुश रहते हैं।

धीरे-धीरे प्यारी बिटिया तीन वर्ष की हो गई। उसे बालवाटिका में भर्ती करा दिया गया। वहाँ उसकी दो-चार सहेलियाँ भी बन गईं। घर में आकर वह अपनी शिक्षिका जी की हू-ब-हू नकल उतारती थी। अपना गृहकार्य पूरा करने के बाद ही वह खेलने जाती। लाड़ो को चित्र बनाना बहुत अच्छा लगता था। देखते-ही-देखते लाड़ो चौथी कक्षा में पहुँच गई।

उसके घर में एक छोटा-सा नन्हा भाई भी आ गया। लाड़ो उसे देखकर बहुत खुश हुई। वह मम्मी से पूछने लगी, “मम्मी, क्या जब मैं छोटी थी तो भैया जैसे ही थी?” मम्मी ने गले लगाकर हँसते हुए कहा, “रानी बिटिया, तुम तो बहुत गोल-मटोल थी।”

राजा भैया एक साल का हो गया था।



जब भी वह चुपचाप बैठा रहता तो अँगूठा चूसने लगता। मम्मी उसके अँगूठा चूसने की आदत से परेशान हो गई थी।

लाड़ो अपने राजा भैया को गोद में बैठाकर दादी की तरह समझाती। राजा भैया, “अँगूठा नहीं चूसना। अँगूठा खराब हो जाएगा।” वह हँसने लगता, हाथ-पैर हिलाने लगता।

लाड़ो अपने भाई को राजा भैया कहती। पाठशाला से आते ही वह अपने राजा भैया के साथ खेलने लगती। अपनी पाठ्यपुस्तक की कविताएँ अपने भाई को सुनाती। कभी वह

अध्यापन संकेत : कहानी का वाचन करें। विद्यार्थियों से प्रत्येक परिच्छेद का वाचन कराएँ। लाड़ो के स्वभाव के बारे में समूह में चर्चा कराएँ और उनको अपना मत व्यक्त करने के लिए कहें। अपने भाई-बहनों के साथ घटी किसी घटना का वर्णन अपने शब्दों में करने के लिए कहें। कहानी में आए पात्रों और पाठ में आए समानार्थी और विरुद्धार्थी शब्दों की सूची बनाने के लिए कहें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



अपने भाई को ‘हाथी-घोड़ा पालकी, जय कन्हैयालाल की’ पंक्ति पर नाचकर दिखाती, तो कभी उसे अपनी पाठशाला की ढेर सारी बातें बताती। राजा भैया भी लाड़ो को टुकुर-टुकुर देखता रहता। लाड़ो के साथ खेलते-

खेलते राजा भैया थककर सो जाता। अब धीरे-धीरे उसका अँगूठा चूसना बंद हो गया था।

राजा भैया अब चलने और दौड़ने लगा था। लाड़ो इन दिनों अपनी सहेलियों को भी घर बुला लेती थी। फिर सब मिलकर राजा भैया का भी हाथ पकड़कर गोल बनाती और ‘इत्ता-इत्ता पानी, गोल-गोल रानी’ खेलती।

लाड़ो का अपने भाई के प्रति यह प्रेम देखकर दादी और माँ बहुत खुश होतीं। एक दिन लाड़ो की दादी ने माँ से कहा, “अपनी लाड़ो तो राजा की दादी, माँ, शिक्षिका सब हो गई है।” यह सुनकर लाड़ो को अच्छा लगा।

पढ़ो और समझो :

- ★ ‘किशोर’ बाल पत्रिका है।
- ★ प्रेमचंद ने ‘पंच परमेश्वर’ कहानी लिखी है।
ऊपर वाक्यों में कुछ शब्द विशेष शब्द हैं इसलिए उनमें यह ‘ ’ चिह्न लगाया गया है।
- ★ दादी ने पोती को देखकर कहा, “मैं तो इसे प्यारी लाड़ो ही कहूँगी।”
- ★ लाड़ो ने मम्मी से पूछा, “क्या जब मैं छोटी थी तो भैया जैसे ही थी?”
ये वाक्य किसी के द्वारा कहे गए हैं इसलिए उनमें यह “ ” चिह्न लगाया गया है।

नये शब्द : भर्ती = प्रवेश; हू-ब-हू = जैसा है वैसा; साल = वर्ष; आदत = स्वभाव।

मुहावरे : फूला न समाना = आनंदित होना; टुकुर-टुकुर देखना = एकटक देखना।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से वाक्य पढ़वाएँ। (‘ ’) यह इकहरा अवतरण चिह्न है। यह चिह्न कब और किस शब्द या वाक्यांश पर लगाया जाता है, यह समझाएँ। अन्य वाक्य देकर इकहरा अवतरण चिह्न लगाने का अभ्यास कराएँ। विद्यार्थियों को ‘दोहरा अवतरण’ चिह्न समझाएँ। यह चिह्न कहाँ, क्यों और कब लगाया जाता है, यह बताएँ। (“ ”) इस चिह्न को ‘दोहरा अवतरण चिह्न’ कहते हैं, यह बताएँ। पाठों से ‘दोहरा अवतरण’ चिह्नवाले वाक्य ढूँढ़कर बताने के लिए कहें। अब तक पढ़े हुए विरामचिह्नों का उपयोग करके पाँच-छह पंक्तियों का एक परिच्छेद तैयार करके लिखने के लिए प्रेरित करें। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) पारिवारिक रिश्तों के नाम।
- (ख) दादी की लाइली लाड़ो।
- (ग) भाई-बहन के रिश्ते का स्नेह
- (घ) बच्चों के खेल।



(२) अपनी दादी/नानी से किसी त्योहार पर गाया जाने वाला लोकगीत सुनो और गाओ।



(३) किसने, किससे कहा है; यह लिखकर वाक्य पूर्ण करो :

- (च) “मैं तो इसे ‘प्यारी लाड़ो’ ही कहूँगी।” यह वाक्य ने से कहा है।
- (छ) “रानी बिटिया, तुम तो बहुत गोल-मटोल थी।” यह वाक्य ने से कहा है।
- (ज) “क्या जब मैं छोटी थी तो भैया जैसे ही थी?” यह वाक्य ने से कहा है।
- (झ) “अँगूठा खराब हो जाएगा।” यह वाक्य ने से कहा है।



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो और कक्षा में बताओ :



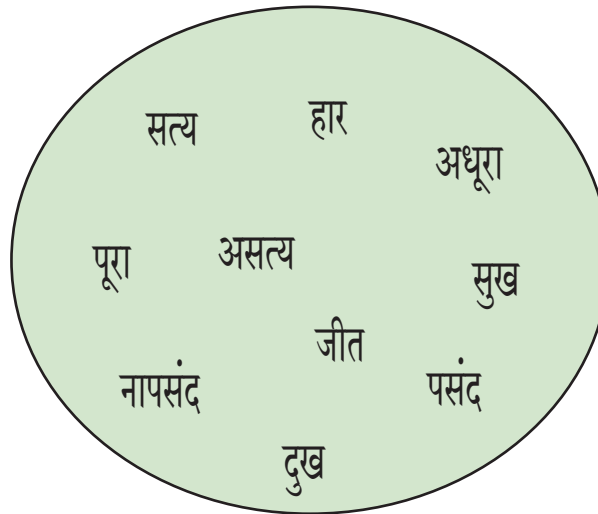
(५) पुस्तकालय से बाल कहानियों की कोई एक पुस्तक पढ़कर नीचे दिए मुद्दों के आधार पर उस पुस्तक के बारे में लिखो :

पुस्तक का नाम, लेखक, प्रकाशक, मूल्य, मुखपृष्ठ और मलपृष्ठ



(६) आकृति में दी गई विरुद्धार्थी शब्दों की जोड़ियाँ ढूँढ़कर लिखो :

निःशुल्क वितरण के लिए



..... x

..... x

..... x

..... x

..... x



(७) पुस्तकालय प्रमुख से बाल साहित्य के प्रकारों की जानकारी प्राप्त करके उनकी सूची बनाओ और उसपर चर्चा करो।



इस कहानी के मुख्य पात्रों और भूमिकाओं पर चर्चा करो।



‘प्यारी लाड़ो’ कहानी का सारांश बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। अन्य कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



सुनो और समझो :



५. पेड़ की गवाही



— सुधा भारद्वाज

पहला दृश्य

(स्थान : साहूकार जयंतीलाल का घर। घर के पास नीम का पेड़ है। जानकी दरवाजा खटखटा रही हैं।)

जयंतीलाल : (भीतर से) कौन है?

जानकी : मैं हूँ जानकी, सेठ जी।

जयंतीलाल : (दरवाजा खोलकर नीम के पेड़ के नीचे बैठते हैं।) जानकी बहन। आज कैसे रास्ता भूल गई?

जानकी : सेठ जी, मैं तीर्थयात्रा पर जा रही हूँ। मेरे पास बीस हजार रुपये नकद और कुछ गहने हैं। इन्हें रख लीजिए, लौटूँगी तब ले लूँगी।

जयंतीलाल : चिंता न करो, बहन। तुम्हारी अमानत बिलकुल सुरक्षित रहेगी।

जयंतीलाल : (मन में सोचता है।) जानकी की यह पूँजी लौटाने से मैं इन्कार कर दूँ तो वह क्या कर लेगी? किससे शिकायत करेगी? न कोई सबूत है, न कोई गवाह।

दूसरा दृश्य

(तीन-चार महीने बाद, उसी स्थान पर।)

जानकी : सेठ जी, मैं लौट आई हूँ। कृपया मेरे गहने और नकदी वापस दे दीजिए।

जयंतीलाल : (अनजान बनकर) कैसी नकदी? कैसे गहने? तुमने मुझे कभी कुछ भी नहीं दिया।

जानकी : नहीं, नहीं सेठ जी। छल-कपट न कीजिए। मुझ गरीब की दौलत न लूटिए।

जयंतीलाल : (आपे से बाहर होकर) मुझे लुटेरा कहती हो? चली जाओ यहाँ से।

(जानकी निराश होकर चुपचाप चली जाती है।)

तीसरा दृश्य

(स्थल : न्यायालय, न्यायाधीश, जानकी और जयंतीलाल)

न्यायाधीश : हाँ बहन, बताओ, तुम्हारी क्या शिकायत है?

जानकी : सरकार, मैं तीर्थयात्रा पर गई थी। जाने से पहले बीस हजार रुपये और कुछ गहने सेठ जयंतीलाल के पास अमानत रखे थे। लौटने के बाद अपनी अमानत माँगने लगी तो ये साफ इन्कार कर गए।

अध्यापन संकेत : संवाद की कथावस्तु विद्यार्थियों को बताएँ। दिया गया संवाद विद्यार्थियों से पढ़वाएँ। आवश्यकतानुसार उनके उच्चारण में सुधार करें। संवाद का नाट्यीकरण कराएँ। उन्हें संवाद के मुख्य पात्रों के बारे में जानकारी बताने के लिए कहें तथा संवाद का सारांश बताने के लिए प्रेरित करें। अपने पसंदीदा पात्र के बारे में विस्तार से बताने के लिए कहें। इसको कहानी के रूप में सुनाएँ ताकि विशेष विद्यार्थियों को समझने में आसानी हो।

- न्यायाधीश : क्यों जयंतीलाल जी, क्या यह औरत सच कहती है?
- जयंतीलाल : नहीं सरकार, इस औरत ने मुझे कभी कोई पैसा या गहने नहीं दिए।
- न्यायाधीश : जानकी, जब तुमने अपनी अमानत सेठ जयंतीलाल को दी थी, क्या उस समय वहाँ कोई गवाह था?
- जानकी : उस समय तो वहाँ कोई नहीं था। जब मैंने अपनी अमानत सेठ जी को दी तो वह अपने घर के पास नीम के पेड़ के नीचे बैठे थे।
- न्यायाधीश : हूँSS! इसका मतलब है कि वह पेड़ गवाह है।
- जयंतीलाल : पेड़? पेड़ भला कैसे गवाह हो सकता है?
- न्यायाधीश : क्यों नहीं हो सकता? हम पेड़ों की भाषा समझते हैं। हम उस पेड़ से पूछेंगे कि जानकी ने सेठ जी को पैसे और गहने दिए थे या नहीं। तो फिर तुम क्यों कहती हो कि कोई गवाह नहीं है। (जानकी से) अभी जाओ और उस पेड़ की टहनी तोड़ लाओ। वह टहनी तुम्हारी तरफ से गवाही देगी। (जानकी जाती है।)
- न्यायाधीश : (बहुत समय जाता है। जानकी अब तक लौटी नहीं है।) जयंतीलाल, जानकी अभी तक कैसे नहीं लौटी?
- जयंतीलाल : (हड़बड़ाकर) सरकार, वह पेड़ तो यहाँ से कोस भर दूर है। जानकी तो अभी उस पेड़ के पास पहुँची भी नहीं होगी।
- न्यायाधीश : तुम तो उस औरत और पेड़ को जानते भी नहीं। फिर तुमने कैसे कहा कि वह पेड़ कोस भर दूर है? इससे स्पष्ट है कि तुम उस औरत और पेड़ को अच्छी तरह पहचानते हो। जाओ, उस औरत के आने से पहले उसकी अमानत ले आओ, नहीं तो कठोर दंड पाओगे।
- जयंतीलाल : मुझे क्षमा कीजिए सरकार। पैसे के लालच में मुझसे गलती हो गई। अब मैं अच्छी तरह समझ गया हूँ, लालच बुरी बला है। मैं अभी जानकी बहन की अमानत लौटा देता हूँ।
(पर्दा गिरता है।)



नये शब्द : अमानत = पूँजी; सबूत = प्रमाण; गवाह = साक्षी; कोस = लगभग ३ किमी।

मुहावरे : आपे से बाहर होना = बहुत क्रोधित होना; छल-कपट करना = धोखा देना।

कहावत : लालच बुरी बला = लालच करना अच्छी बात नहीं है।

अध्यापन संकेत : संवाद में आई घटनाओं का सही क्रम लगाने के लिए कहें। घटना का स्थान, संवाद में आए पात्र आदि के संबंध में बताने के लिए कहें। विशेष विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) जानकी ने अपनी अमानत जयंतीलाल को सौंपी।
- (ख) सेठ जयंतीलाल की नीयत बदली।
- (ग) लालच के संबंध में अपने अनुभव सुनाओ।
- (घ) पेड़ मनुष्य के उपयोगी हैं।



(२) पुस्तकालय से पुस्तक लेकर बीरबल की चतुराई संबंधी कहानी पढ़ो और मित्रों को सुनाओ।



(३) नीचे दिए गए शब्दों का अपने वाक्य में प्रयोग करो :

शब्द	वाक्य
साहूकार	
नकद	
तीर्थयात्रा	
गवाही	



(४) चित्र देखकर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :





(५) नीचे दी गई घटनाओं को पाठ के घटनाक्रम के अनुसार बताओ और लिखो :

- (ट) जयंतीलाल के पास अमानत रखना।
- (ठ) जयंतीलाल का क्षमा माँगना।
- (ड) जानकी का तीर्थयात्रा से लौट आना।
- (ढ) जानकी द्वारा शिकायत करना।



(६) नीचे दिए मोटे टाइप में छपे शब्दों के लिए समानार्थी शब्द ढूँढो। उनकी सूची बनाकर कॉपी में लिखो :

- (त) जंगल में घने पेड़ थे।
- (थ) माता जी ने भोजन परोसा।
- (द) शिक्षक ने सूचनाएँ पढ़ीं।
- (ध) हमें पानी की बचत करनी चाहिए।



(७) पेड़ ने अपनी गवाही कैसे दी होगी, अपना मत व्यक्त करो।



पढ़े हुए किसी समाचार पर अपना विचार स्पष्ट करो।



समाचारपत्र में पढ़े हुए समाचारों के शीर्षक बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ बनाने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। दी गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।



सुनो, समझो और मिलकर गाओ :



६. उलझन



– डॉ. सुरेंद्र विक्रम

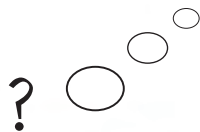
बनूँ चिकित्सक बाबू जी का सपना
माँ कहतीं अभियंता हो कोई अपना।
भैया चाहें, इससे तो अच्छा है
संगणक की शिक्षा में ही तपना।



चाचा चाहें, अध्यापक बन जाऊँ
चाची चाहें, पैसा खूब कमाऊँ।
दादी बोलें, ऐसा कुछ तुम करना
जिससे तुमपर जग में मैं इठलाऊँ।

अध्यापन संकेत : आरोह-अवरोह के साथ कविता का वाचन करें। कविता का एकल तथा छोटे समूह में वाचन कराएँ। कविता में बच्चे की उलझन के बारे में चर्चा करवाएँ। कविता का सारांश बताने के लिए कहें। कविता के आशय पर उन्हें अपना मत व्यक्त करने के लिए प्रेरित करें। वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं, यह पूछें।

दादा चाहें, फौज में भर्ती मैं हो जाऊँ
और वीरता से जग में, खूब नाम कमाऊँ।
दीदी कहतीं, इधर-उधर मैं कहीं न जाऊँ
घर में ही रहकर कोई उद्योग लगाऊँ।



सबकी अपनी अलग-अलग अभिलाषा
मुझसे सबने जोड़ी, जाने कितनी आशा।
लेकिन मेरे मन की उलझन, कोई न समझे
सबने अपने ढंग से, गढ़ी है अपनी परिभाषा।

नये शब्द : उलझन = दुविधा; चिकित्सक = वैद्य, डॉक्टर; अभिलाषा = इच्छा; गढ़ना = रचना।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों में पढ़ाई करने की रुचि जागृत करें। कविता की घटनाओं और पात्रों की जानकारी दें। उनमें देशभक्ति की भावना जागृत करें। शहीदों की जानकारी देकर 'शहीद दिन' मनाएँ। कविता का वाचन हाव-भाव के साथ करें। विशेष विद्यार्थियों को भी बोलने के लिए प्रेरित करें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) माँ और बाबू जी का सपना।
- (ख) दादा-दादी की कामना।
- (ग) तुम्हारी अपनी उलझन।
- (घ) सैनिक की देश सेवा।



(२) अभिभावकों की सहायता से पुस्तकालय अथवा ई-पुस्तकालय से 'मेरी अभिलाषा' कविता ढूँढ़कर पढ़ो।



(३) कौन-क्या बनने को कह रहा है, जोड़ियाँ मिलाकर पूर्ण वाक्य में लिखो :

बाबू जी	चिकित्सक	फौज
माँ	भैया	अध्यापक
चाचा	दादा	संगणक की शिक्षा
दादी		उद्योग अभियंता



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :





(५) नीचे दिए गए शब्दों में से केवल पहला वर्ण बदलकर फल अथवा सब्जी का नाम लिखो।

जैसे - भालू - आलू

निःशुल्क वितरण के लिए

(च) मीरा -

(छ) लंगूर -

(ज) चौकी -

(झ) जेब -

(ट) मकड़ी -

(ठ) चालक -

(ड) मेला -

(ढ) अंतरा -



(६) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों का व्याकरण के नियमों के अनुसार वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखो :

(ट) जंगल में हाथी घूम रहा था।

(ठ) बड़ी मछली पानी में तैर रही है।

(ड) पेड़ से पत्ता नीचे गिर गया।

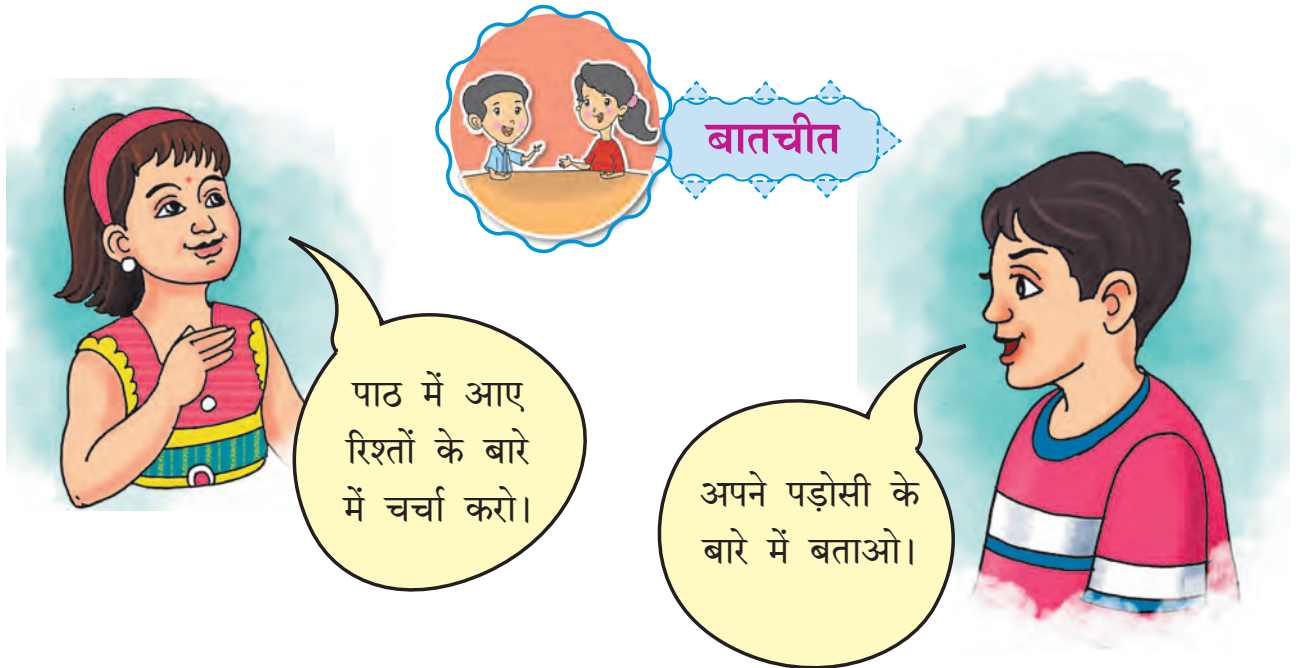
(ढ) उसकी बहन गाना अच्छा गाती है।

(ण) रामनगर की महिला सामाजिक कार्य करती थी।

(त) गाय गोशाला में रहती है।



(७) विद्यालय में किए जाने वाले कौन-से उपक्रम में तुम सहभागी होना चाहते हो और क्यों, बताओ।



अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। दी गई कृतियों का अभ्यास कराते हुए विशेष विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार सहायता करें।



देखो, पढ़ो और समझो :



(१) नीचे दी हुई वर्ण पहेली हल करो :

१		२		३	४
		५	६		
७	८				
९					
				१०	
११			१२		

बाएँ से दाएँ

- १) नया
 ३) कपट
 ५) मस्ती
 ७) बाजार
 ९) फहराना
 ११) स्वर्ण
 १२) अभिनययुक्त कृति

ऊपर से नीचे

- १) नाना-नानी का घर
 २) गीला
 ४) ऊपर तक भरा हुआ
 ६) नींद खुलना
 ८) पैदल घूमना
 १०) घड़ा



(२) दिए गए मुद्दे पढ़ो। उनके आधार पर अपने पाठशाला में आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह की निमंत्रण पत्रिका तैयार करो :

मुद्दे :

स्थान

दिन

दिनांक

समय

आयोजक

प्रमुख अतिथि

अध्यक्ष

निमंत्रक

विशेष उपस्थिति

पुनरावर्तन-२



(१) तेनालीराम की बुद्धि चतुराई दर्शाने वाली कहानी कक्षा में सुनाकर चर्चा करो।



(२) गुरु नानक का एक पद सुनो, पढ़ो और उनमें आए अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़कर बताओ।



(३) एक वाक्य में उत्तर लिखो :

(क) चिरैया क्या चाहती है?

(ख) 'प्यारी लाड़ो' पाठ में कौन-सा शिशुगीत आया है?

(ग) 'पेड़ की गवाही' पाठ से प्राप्त होने वाली सीख लिखो।

(घ) 'उलझन' कविता में आए किन्हीं दो रिश्तों के नाम लिखो।



(४) चित्र देखकर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



.....

.....

.....

.....

.....

.....



(५) नीचे दिए परिच्छेद का अनुलेखन करो और उसका उचित शीर्षक लिखो।

प्रसिद्ध पक्षीमित्र डॉ. सालिम अली का जन्म मुंबई में सन १८९६ में हुआ था। बचपन से ही पक्षी निरीक्षण में उनकी रुचि थी। सालिम अली ने पक्षियों के बारे में अनेक पुस्तकें लिखी हैं। इन पुस्तकों के कारण उन्हें सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने उन्हें 'पद्म-विभूषण' से सम्मानित किया। सालिम अली का देहांत १९८७ में हुआ। उनके जीवन का मंत्र था- 'निरंतर कर्मशील रहो।' वे सच्चे कर्मयोगी थे। सारा संसार उन्हें पक्षी वैज्ञानिक और पक्षीमित्र के रूप में जानता है।



(६) चौखट में दिए विरामचिह्नों का प्रयोग करते हुए अर्थपूर्ण वाक्य लिखो :

| “ ” ‘ ’ ? ! , ;

(च)

(छ)

(ज)

(झ)

(ञ)

(ट)



(७) तुम्हारे घर में आई हुई तथा देखी हुई निमंत्रण पत्रिकाओं का संकलन करो। अलग-अलग प्रकार की निमंत्रण पत्रिकाओं की तुलना नीचे दिए गए मुद्दों के आधार पर चर्चा करो :

(ट) कार्यक्रम का नाम-

(ठ) प्रेषक का नाम-

(ड) आकार-

(ढ) रंग-

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। बनाई गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।

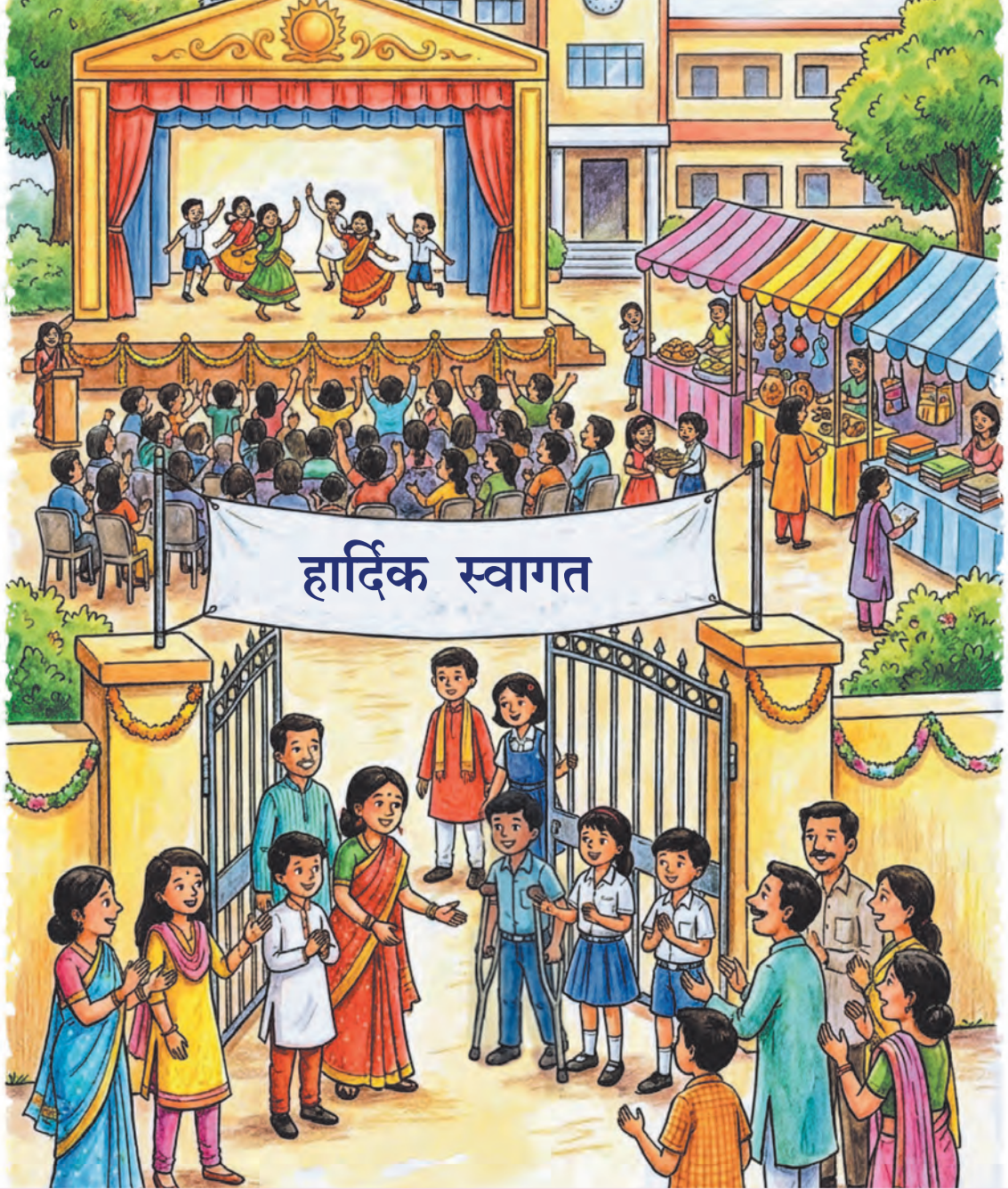


पूर्वानुभव : सुनो और बताओ :

तीसरी इकाई



१. वार्षिकोत्सव



अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्र का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। पूर्वानुभव के आधार पर चित्र पर चर्चा कराएँ। उन्हें अपने शब्दों में चित्र का वर्णन करने के लिए कहें। आवश्यकतानुसार उनका मार्गदर्शन करें। पाठशाला के किसी कार्यक्रम में संक्षिप्त भाषण देने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। सूत्रसंचालन करने हेतु तैयारी कराएँ। पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों को शुभकामना संदेश देने हेतु उनसे वाक्य बनवाएँ। वार्षिकोत्सव समारोह का निमंत्रण कार्ड अपनी कल्पना के अनुसार बनाने के लिए प्रेरित करें। आवश्यकतानुसार विशेष विद्यार्थियों की बोलने और सारांश बताने में सहायता करें।



देखो, पहचानो और चर्चा करो :



२. हमारी संस्कृति, हमारे खेल



अध्यापन संकेत : चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। विद्यार्थियों से चित्रों पर चर्चा करें। पंढरपुर वारी और गणपति विसर्जन की झाँकी पर चर्चा कराएँ। विविध लोककथाओं से संबंधित साहित्य पढ़ने के लिए उपलब्ध कराएँ। चित्रों से संबंधित पद, भजन आदि सुनने के लिए प्रेरित करें। पदों या भजन में आए अपरिचित शब्दों की सूची बनवाएँ। नये शब्दों के पर्यायी शब्द बाल शब्दकोश से ढूँढ़ने के लिए कहें। व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर अपने परिसर के गणेशोत्सव के विषय में परिच्छेद लिखने के लिए कहें। गणेशोत्सव, रक्षाबंधन जैसे त्योहारों पर शुभकामनाएँ लिखवाएँ तथा मौखिक प्रस्तुति देने के लिए कहें। आवश्यकतानुसार विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। लाठी चलाना और मलखंभ के बारे में उनसे चर्चा करें। चित्रों के आधार पर छह-से-आठ वाक्यों का परिच्छेद उचित विरामचिह्न लगाकर लिखवाएँ। परिच्छेद पर सहपाठियों के साथ चर्चा कराएँ। अन्य परिच्छेद पढ़ने के लिए प्रेरित करें। 'खेल और स्वास्थ्य' विषय पर संवाद प्रस्तुत करने के लिए कहें। विशेष विद्यार्थियों को भी खेल में सहभागी होने के लिए प्रेरित करें।



सुनो, समझो और मिलकर गाओ :

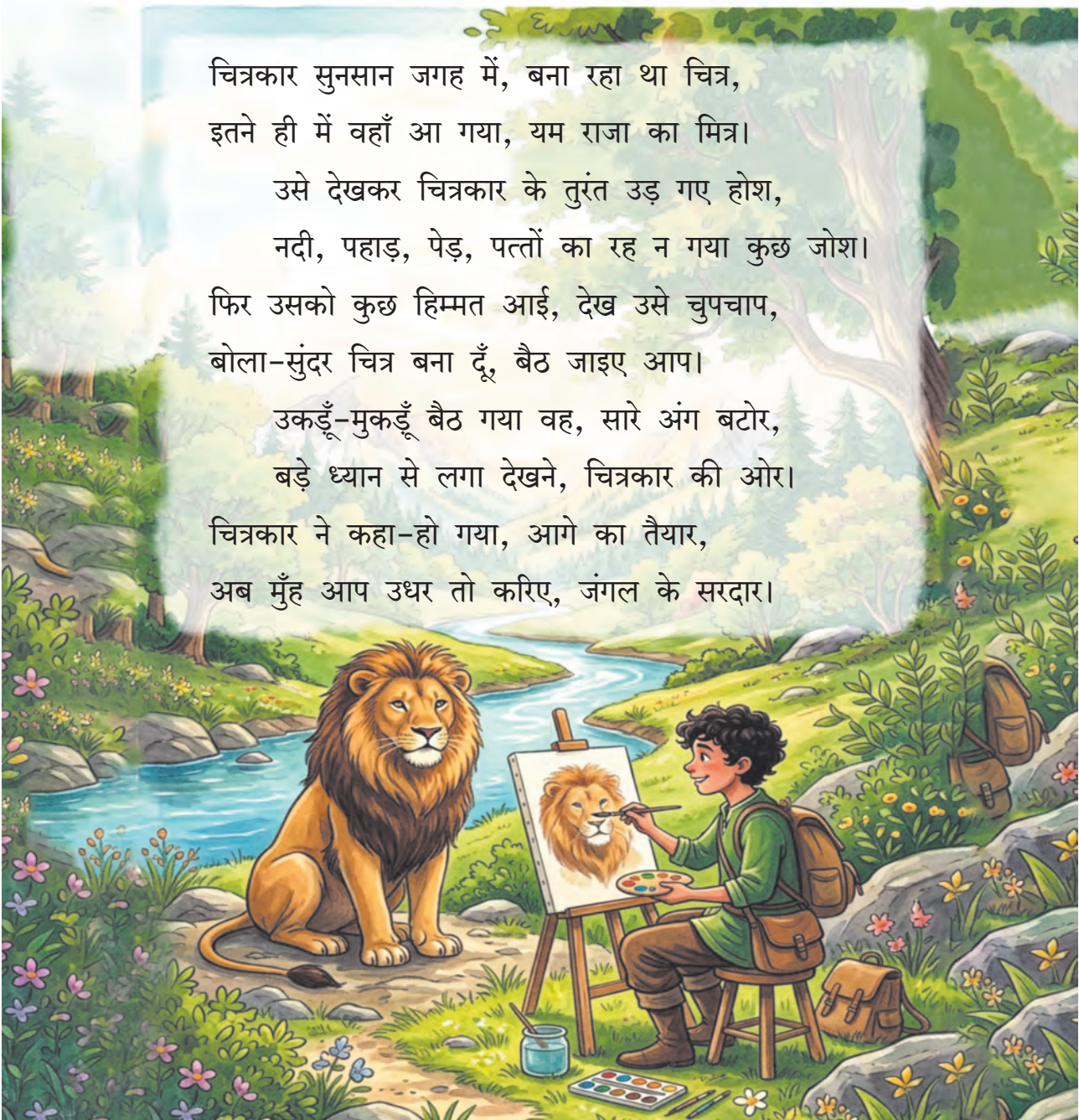


३. चतुर चित्रकार



– रामनरेश त्रिपाठी

चित्रकार सुनसान जगह में, बना रहा था चित्र,
इतने ही में वहाँ आ गया, यम राजा का मित्र।
उसे देखकर चित्रकार के तुरंत उड़ गए होश,
नदी, पहाड़, पेड़, पत्तों का रह न गया कुछ जोश।
फिर उसको कुछ हिम्मत आई, देख उसे चुपचाप,
बोला-सुंदर चित्र बना दूँ, बैठ जाइए आप।
उकड़ूँ-मुकड़ूँ बैठ गया वह, सारे अंग बटोर,
बड़े ध्यान से लगा देखने, चित्रकार की ओर।
चित्रकार ने कहा-हो गया, आगे का तैयार,
अब मुँह आप उधर तो करिए, जंगल के सरदार।



अध्यापन संकेत : आरोह-अवरोह, लय-ताल के साथ कथागीत का वाचन करें। विद्यार्थियों के समूह बनाकर गीत का वाचन कराएँ। पाठशाला के कार्यक्रम में कथागीत का नाट्यीकरण कराएँ। इस गीत को कहानी के रूप में कहने के लिए प्रेरित करें। इस कथागीत के मुख्य पात्र और भूमिकाओं पर चर्चा करवाएँ। कविता के आशय में छुपी कहानी पर अपना मत देने के लिए प्रेरित करें। विशेष विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें।

बैठ गया पीठ फिराकर, चित्रकार की ओर,
चित्रकार चुपके से खिसका, जैसे कोई चोर।

बहुत देर तक आँख मूँदकर, पीठ घुमाकर शेर,
बैठे-बैठे लगा सोचने, इधर हुई क्यों देर॥
झील किनारे नाव लगी थी, एक रखा था बाँस,
चित्रकार ने नाव पकड़कर, ली जी भर के साँस।



जल्दी-जल्दी नाव चलाकर, निकल गया वह दूर,
इधर शेर था धोखा खाकर झुँझलाहट में चूर।
शेर बहुत खिसियाकर बोला, नाव जरा ले रोक,
कलम और कागज तो ले जा, रे कायर, डरपोक।
चित्रकार ने कहा तुरंत ही, रखिए अपने पास,
चित्रकला का आप कीजिए जंगल में अभ्यास।



नये शब्द : सुनसान = वीरान, निर्जन; जोश = उत्साह; झील = ताल, सरोवर।

मुहावरा : होश उड़ना = डर जाना; जी भर के साँस लेना = निश्चिंत होना।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को कथागीत की मुख्य संकल्पना पहचानकर बताने के लिए कहें। कथागीत को नया शीर्षक देने हेतु प्रोत्साहित करें। कथाबिंदु को समझकर उसपर चर्चा करने के लिए कहें। शेर से बचने के लिए चित्रकार और क्या-क्या कर सकता था, इसके बारे में प्रश्न पूछें। प्रत्येक विद्यार्थी को बारी-बारी से बोलने के लिए कहें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) चित्रकार के होश उड़ने का कारण।
- (ख) चित्र बनाने हेतु आवश्यक सामग्री।
- (ग) जंगल की सैर।
- (घ) चित्रकार की चतुराई



(२) पुस्तकालय से पुस्तक लेकर ईसप की कथाओं में से चतुराई भरी कोई कहानी पढ़ो। कहानी में आए पात्रों के नाम बताओ और अपने विचार व्यक्त करो।



(३) दिए गए शब्दों का उचित क्रम लगाकर अर्थपूर्ण वाक्य लिखो :

- (च) होश तुरंत के गए देखकर चित्रकार उड़ उसे।
- (छ) उसको कुछ आई फिर हिम्मत।
- (ज) चित्रकार लगा की बड़े ओर से ध्यान देखने।
- (झ) जंगल का कीजिए में अभ्यास चित्रकला आप।



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो।





(५) नीचे दिए शब्दों के प्रथम अक्षर बदलकर नये शब्द बनाओ :

निःशुल्क वितरण के लिए

जैसे : राजा, मजा

शब्द	नये शब्द	शब्द	नये शब्द
(च) नाम		(छ) ओर	
(ज) रात		(झ) अंग	



(६) नीचे दिए हुए वाक्यों में विशेषण पहचानकर लिखो :

वाक्य	विशेषण
(ट) चित्रकार सुनसान जगह में चित्र बना रहा था।	
(ठ) मैंने एक सुंदर पक्षी देखा।	
(ड) माँ ने आज लाल साड़ी पहनी है।	
(ढ) उस रात घना अँधेरा था।	



(७) तुमने परिसर में देखी या सुनी हुई कोई एक घटना क्रमशः सुनाओ। उस घटना के बारे में अपना मत व्यक्त करो।



बातचीत



कविता में आए लयात्मक या तुकांत शब्दों का प्रयोग करके चार पंक्तियाँ सुनाओ।



कविता में आए विशेषण एवं संज्ञा शब्दों की जोड़ियाँ बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। अन्य कृतियों का अभ्यास कराएँ।



४. कूड़ेदान में पेड़



– आशा शर्मा

दस साल का चिट्ठू पढ़ने में बहुत होशियार है। गणित के सवाल हों या विज्ञान की पहेलियाँ, चुटकी बजाते ही हल कर देता है। पढ़ाई के साथ-साथ उसे चित्र बनाने और तुकबंदी करने का भी शौक था। पाठशाला में होने वाली चित्रकला और घोषवाक्य प्रतियोगिताओं में उसने कई पुरस्कार जीते थे।

चिट्ठू में उतावलापन बहुत ज्यादा था। चित्रकला या कविता में जरा-सी गलती होने पर पन्ना कूड़ेदान के हवाले कर देता था। माँ ने कई बार समझाया भी कि पहले पेन्सिल से कच्चा काम किया करो। कच्चे काम में भी उसकी पेन्सिल की नोक बार-बार छीलने से पेन्सिल एक ही दिन में खत्म हो जाती थी।

शिक्षिका ने भी कई बार देखा कि चिट्ठू की कॉपियों में बाकी बच्चों की तुलना में पन्ने कम हुआ करते थे। उसकी ज्यामिति बॉक्स में छिली हुई पेन्सिल का कचरा भी होता था। प्रार्थना सभा में मुख्याध्यापिका ने बच्चों को जागरूक करने के लिए 'पर्यावरण चेतना सप्ताह' मनाए जाने की घोषणा की। इसके लिए पोस्टर, घोषवाक्य तथा भाषण प्रतियोगिता होनी थी।



घर पहुँचते ही चिट्ठू प्रतियोगिता की तैयारी में जुट गया। उसने कई बार पोस्टर बनाया। हर बार उसे पोस्टर में कोई-न-कोई कमी नजर आ जाती। वह रबड़ से बार-बार मिटाता और फिर से बनाता। चिट्ठू ने पेन्सिल को छील-छीलकर कचरे का ढेर लगा दिया। बहुत कोशिशों के बाद आखिर उसने पोस्टर तैयार कर ही लिया। अब बारी थी उसपर घोषवाक्य लिखने की। बार-बार लिखने और कागज को फाड़कर फेंक देने से पूरा कूड़ादान कागज और छिली हुई पेन्सिल के छिलकों से भर गया था। आखिरकार चिट्ठू की मेहनत रंग लाई और पोस्टर के अनुरूप एक प्रेरणादायक घोषवाक्य उसने रच दिया-

अध्यापन संकेत : कहानी का अनुवाचन करें और विद्यार्थियों से दोहरवाएँ। सुनाई गई कहानी के मुख्य पात्रों, भूमिकाओं और घटनाओं पर चर्चा करवाएँ। पाठ को समझकर कठिन समय में सूझ-बूझ से काम करने के लिए कहें। पाठ के मुख्य मुद्दों पर प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा कराएँ और उन्हें प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। चार-पाँच वाक्यों में पाठ का निष्कर्ष और अपना मत व्यक्त करने के लिए क्रमशः एक-एक विद्यार्थी को बोलने के लिए कहें।

‘हमारी भूमि करे पुकार,
मत छीनो मेरा शृंगार।’

चिट्ठू प्रतियोगिता में अपने प्रथम आने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त था। उसने रात को ही अपने बस्ते में पुस्तकें, कॉपियाँ, कंपास बॉक्स आदि रख लिए और चैन की नींद सो गया। रात में अचानक सिसकियों की आवाज से उसकी नींद टूट गई। उसने यहाँ-वहाँ देखा। उसे कमरे में कोई भी दिखाई नहीं दिया। एक समय तो चिट्ठू डर गया, फिर उसने धीरे से चेहरा कंबल से बाहर निकाला। अँधेरे में देखने की कोशिश की तो वह चौंक गया। सिसकियों की आवाज कूड़ेदान से आ रही थी। चिट्ठू ने जैसे ही कूड़ेदान का ढक्कन खोला तो उसके अंदर छोटे-छोटे पेड़ देखकर दंग रह गया।

“कृपया! हमें मत काटो, हम भी जीना चाहते हैं ...” पेड़ों ने उससे विनती की।

“मैं कहाँ पेड़ काट रहा हूँ। मैंने तो पेड़ बचाने की प्रेरणा देने वाला पोस्टर बनाया है और घोषवाक्य भी लिखा है।” चिट्ठू पेड़ द्वारा लगाए गए आरोप सुनकर हैरान था।

“क्या तुम नहीं जानते कि ये कागज जो तुमने फाड़-फाड़कर फेंके हैं, वे भी पेड़ों से बनते हैं और ये पेन्सिलों पर लगी लकड़ी भी”, एक पेड़ ने आँसू रोककर उससे कहा।

“तो क्या लिखने के लिए कागज और पेन्सिलों का उपयोग न करूँ?” चिट्ठू ने

प्रतिप्रश्न किया। “उपयोग करो लेकिन दुरुपयोग नहीं। तुम जितने कागज और पेन्सिलें बरबाद करोगे, उतनी ही ज्यादा खरीदोगे। जितनी तुम्हारी आवश्यकता बढ़ेगी... उतने ही अधिक पेड़ काटे जाएँगे इसलिए हम तुमसे अपने-आपको बचाने की प्रार्थना कर रहे हैं,” दूसरा पेड़ बोला।

“इस विषय पर तो मैंने कभी सोचा ही नहीं था। सचमुच मैं इस पर्यावरण का दुश्मन हूँ। मैं अवश्य ही अपनी गलती सुधारूँगा।” चिट्ठू को अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा था।

“चिट्ठू! तुम निश्चय ही एक समझदार बच्चे हो। हमें पूरा यकीन है कि जो घोषवाक्य तुमने लिखा है, उसपर अमल भी करोगे।” पेड़ मुस्कराकर बोला।

“बिल्कुल अमल करूँगा। मैं अपनी आदत को सुधारकर न केवल स्वयं पेड़ बचाऊँगा बल्कि अपने दोस्तों के साथ वृक्षारोपण करके पेड़ बढ़ाऊँगा भी।” चिट्ठू ने आत्मविश्वास से कहा।

सुबह उठते ही चिट्ठू ने सबसे पहले कूड़ादान खोलकर देखा मगर वहाँ कोई पेड़ नहीं था। चिट्ठू मुस्करा दिया। उसे पेड़ों से किया अपना वादा याद था।

नये शब्द : अक्सर = बहुत बार; चेतना = उत्साह; आश्वस्त = निश्चित; यकीन = विश्वास।

मुहावरे : मेहनत रंग लाना = परिश्रम का अच्छा फल मिलना; चैन की नींद सोना = चिंतारहित होकर सोना; दंग रह जाना = आश्चर्यचकित होना; अमल करना = व्यवहार में लाना; रंग लाना = प्रभाव दिखाना; चौंक जाना = आश्चर्यचकित होना।

अध्यापन संकेत : पौधे लगाने और उनके संरक्षण की जानकारी देकर विद्यार्थियों को पेड़ों का महत्व बताने के लिए कहें। विशेष विद्यार्थियों को भी पर्यावरण की आवश्यकता बताकर सजग करें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) चिट्ठू का उतावलापन।
- (ख) पेड़ों की विनती।
- (ग) शुद्ध हवा की आवश्यकता।
- (घ) उर्वर भूमि की पुकार।



(२) पुस्तकालय से पुस्तक लेकर विविध पेड़ों की जानकारी पढ़ो।



(३) अनुमान लगाकर लिखो :

- (च) चिट्ठू गणित में अक्सर ही छोटी-छोटी गलतियाँ करता था क्योंकि
- (छ) एक ही दिन में पेन्सिल खत्म हो जाती थी क्योंकि
- (ज) चिट्ठू की कॉपियों में पृष्ठ कम होते थे क्योंकि
- (झ) रात में चिट्ठू की नींद टूट गई क्योंकि



(४) नीचे दी हुई खेल महोत्सव की निमंत्रण पत्रिका देखो और अपनी पाठशाला के सांस्कृतिक कार्यक्रम की निमंत्रण पत्रिका बनाने के लिए चर्चा करो :

निमंत्रण पत्रिका

जिला परिषद हिंदी पाठशाला

सस्नेह निमंत्रण

▶ वार्षिक खेल महोत्सव

▶ उद्घाटन समारोह - १६ नवंबर, सुबह ९ बजे

▶ अध्यक्ष : खेल विभाग अधिकारी

▶ प्रमुख अतिथि : शिक्षा अधिकारी

महोदय/महोदया,

हमारे पाठशाला में विद्यार्थियों की विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई हैं। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

स्थान : जिला परिषद हिंदी विद्यालय का मैदान

कालावधि : १६ नवंबर से २० नवंबर

समय : सुबह ९.०० बजे से दोपहर १.०० बजे तक

आयोजक

खेल विभाग प्रमुख

निमंत्रक

प्रधानाचार्य

जिला परिषद हिंदी पाठशाला



(५) शब्द पहली हल करो और शब्द लिखो :

फ	फू	ल	शु
ल	औ	क	द्ध
व	ष	ड़ी	ह
र्षा	धि		वा
गों	द	छाँ	व

- १) ५)
 २) ६)
 ३) ७)
 ४) ८)



(६) नीचे दिए गए शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ लिखो :

मंगल <

मात्रा <



(७) वृक्षारोपण कार्यक्रम की तैयारी करने के लिए आवश्यक वस्तुओं की सूची बनाओ। उनके चित्रों के साथ वृक्षारोपण का एक पोस्टर तैयार करो।



कक्षा में किन कारणों से गंदगी फैल जाती है? इससे कैसे बचा जा सकता है, चर्चा करो।

पढ़े गए पाठ के बारे में अपने विचार व्यक्त करो।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। विशेष विद्यार्थियों से भी कृतियों का अभ्यास कराएँ और आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें।



पढ़ो और समझो :



५. संगणक का कमाल



(संगणक की कक्षा छूटने पर विद्यार्थी आपस में चर्चा करते हुए।)

काव्या : हम संगणक के क्षेत्र में बहुत प्रगति कर चुके हैं।

डॉली : संगणक एक प्रकार का विद्युत मस्तिष्क है जिससे दुनिया का ज्ञान भरा होता है।

फरीद : संगणक मानव निर्मित यंत्र है, जिससे अधिक-से-अधिक जानकारी प्राप्त होती है।

सुदेश : यह ज्ञान का ऐसा समंदर है जिसमें जलरूपी ज्ञान कभी समाप्त होने वाला नहीं है।
जितना चाहो; ग्रहण करते रहो।

अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह के साथ संवाद का वाचन करें। विद्यार्थियों से संवाद पढ़वाएँ। आवश्यकतानुसार उनके उच्चारण में सुधार करें। संगणक एवं ई-पुस्तकालय की जानकारी दें। ई-पुस्तकें पढ़ने में रुचि पैदा करें। ई-पुस्तकालय के माध्यम से पुस्तकें ढूँढ़ने के लिए कहें। पुस्तकालय की विभिन्न पुस्तकों की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहें। संगणक की सहायता से विविध अवसरों पर शुभकामनाएँ देने के लिए वाक्य बनवाएँ। ई-पुस्तक से कहानी पढ़ने एवं कहानी के मुख्य विचार बताने के लिए कहें।

रतन : अंतरा! तुम तो रोज इंटरनेट के माध्यम से अपने भैया से बातें कर लेती होगी।
 अंतरा : अरे! बातचीत ही क्यों, उन्हें देख भी लेती हूँ।
 अना : हाँ, संगणक में वेबकैमरा यदि लगा दिया जाए तो हम पूरे घर को और सभी सदस्यों को भी देख सकते हैं।
 रुचिर : मेरी माँ पूरे महीने के घर खर्च का हिसाब उसी पर करती हैं।
 टोनी : मेरा छोटा भाई फिलिप संगणक पर विभिन्न खेल खेलता रहता है।
 मंगला : मैंने अपनी सहेली रीमा के जन्मदिन पर संगणक द्वारा ही बधाई कार्ड संगीत की धुन के साथ भेजा था।
 डॉली : मेरे चाचा जी विदेश जाते समय टिकट का आरक्षण संगणक द्वारा ही करते हैं।
 मंगला : मेरे दादा जी तो उसपर गाने भी सुनते हैं।
 अंतरा : संगणक हमारे जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन लेकर आया है।
 सुदेश : बस, बटन दबाओ, खोजो, चयन करो और काम पूरा करो।
 डॉली : संगणक के लिए पर्याप्त शब्द हिंदी में आ चुके हैं।
 काव्या : तो फिर माउस को 'चूहा' और पासवर्ड को 'संकेत शब्द' कहें क्या?
 फरीद : जो शब्द हैं, उन्हें ठीक से समझ लें, यही बड़ी बात है (सभी हँसने लगते हैं।)
 काव्या : संगणक तो अपनी जगह है ही। अब हमें कृत्रिम प्रज्ञा के चमत्कार भी देखने हैं।
 सब एक साथ : हम तैयार हैं।

काल के वाक्य पढ़ो और समझो :

काल

- | | |
|----------------------------|---------------------|
| (१) हम कल भी तैयार थे। | (४) हमने पढ़ा था। |
| (२) हम आज भी तैयार हैं। | (५) हमने पढ़ा है। |
| (३) हम हमेशा तैयार रहेंगे। | (६) हमने पढ़ा होगा। |

नये शब्द : कमाल = अद्भुत; ग्रहण करना = आकलन करना; आरक्षण = निर्धारण; प्रज्ञा = बुद्धि।

अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए वाक्य विद्यार्थियों को सुनाएँ। वाक्यों की क्रियाएँ पूछें। वाक्यों में क्रिया के अलग-अलग रूप हैं, यह बताएँ। ये क्रियाएँ क्रमशः भूतकाल, वर्तमानकाल और भविष्यकाल के उदाहरण हैं; यह समझाएँ। अन्य क्रियाएँ देकर तीनों कालों के वाक्य बनवाएँ। पढ़े हुए पाठों से काल के वाक्य ढूँढ़कर उनका संकलन कराएँ। संगणक का उपयोग करने के लिए अवसर प्रदान करें और संगणक की सामग्री का चित्र बनवाएँ।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) संगणक पाठ के पात्र।
- (ख) संगणक के महत्वपूर्ण कार्य।
- (ग) अंतरजाल की भूमिका।
- (घ) जब घर में आया संगणक।



(२) 'संगणक' विषय पर हस्तलिखित पत्रिका बनाने के लिए पुस्तकालय में जाकर पुस्तकें पढ़ो और सहपाठियों के साथ साझा करो।



(३) पाठ में आए शब्दों का प्रयोग करके अपूर्ण वाक्यों को पूर्ण करो :

- (च) डॉली के अनुसार संगणक एक प्रकार का;
- (छ) संगणक द्वारा ये कार्य किए जा सकते हैं;
- (ज) रुचिर की माँ संगणक का उपयोग इसलिए करती हैं;
- (झ) मंगला ने रीमा के जन्मदिन पर संगणक द्वारा भेजा;



(४) चित्र देखकर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) पाठ में आए हुए संगणक से संबंधित शब्दों की चर्चा करके पहली पूर्ण करो :

- | | | | | | |
|-----|----|---|----|----|----|
| (ट) | इं | | | ने | |
| (ठ) | | उ | | | |
| (ड) | | स | | | |
| (ढ) | | | कै | | रा |



(६) तालिका में दिए गए शब्दों के पहले कोष्ठक में दिए वर्ण लगाकर नये शब्द बनाकर लिखो: (सु, अ, वि)

शब्द	नया शब्द
दिन	
ज्ञान	
पुत्र	
भिन्न	



(७) नीचे दिए मुद्दों के आधार पर अपनी पसंद की पुस्तक के संबंध में जानकारी लिखो :
लेखक, प्रकाशक, विषय, बाह्य रूप, आंतरिक रूप, मूल्य



संगणक पर पढ़े
हुए दो समाचार
बताओ।

संगणक पाठ का
सारांश बताओ।



अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों से चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ। विशेष विद्यार्थियों को संगणक की जानकारी दें।



सुनो, समझो और मिलकर गाओ :



६. उठो! देश के लाल



- डॉ. हनुमंत नायडू

उठो! देश के लाल तुम्हें,
धरती को स्वर्ग बनाना है।
तुम्हें आँधियों के आँगन में,
दीपक आज जलाना है।।

पर्वत रोक रहे कदमों को,
शूल बिछे हैं राहों में।
ज्ञान कैद है इस धरती का,
अंधकार की भुजाओं में।
हर गाँव तुम्हें चमकाना है।। उठो!.....



अध्यापन संकेत : कविता को उचित लय और स्पष्ट उच्चारण के साथ दो बार सुनाएँ। प्रत्येक विद्यार्थी से कविता गवाएँ। कविता के आशय पर चर्चा करें। कविता को समझते हुए पढ़ने के लिए कहें। कविता के मुख्य मुद्दों पर चर्चा करवाएँ। पढ़ी हुई कविता के मुख्य विचार को स्पष्ट करते हुए आवश्यक निष्कर्ष बताने के लिए कहें। 'गणतंत्र दिवस', 'स्वतंत्रता दिवस', 'राष्ट्रीय एकात्मता दिवस' मनाएँ और उनकी जानकारी दें। राष्ट्रीय त्योहारों पर चर्चा करवाएँ।



नव युग का सूरज निकला है,
आजादी की धूप खिली।
नवजीवन की धुली चाँदनी,
बाँहें फैला आज मिलीं॥



नये कदम से बढ़ना तुमको
नई दिशा को जाना है।
उठो! देश के लाल तुम्हें,
धरती को स्वर्ग बनाना है॥

नये शब्द : लाल = पुत्र; आँधी = तूफान; शूल = काँटा; राह = रास्ता, मार्ग; बाँह = भुजा।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से इसी प्रकार की अन्य कविताएँ पढ़ने और सुनने के लिए कहें। विशेष विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार सहायता करें। संत गाडगे बाबा और 'स्वच्छता अभियान' की जानकारी दें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) अपने परिसर को सुंदर बनाने में तुम्हारी भूमिका।
- (ख) कवि का संदेश।
- (ग) चाँदनी रात।
- (घ) यदि किसान न होते।



(२) देशभक्ति पर आधारित कोई कविता पढ़ो और विद्यालय के कार्यक्रम में उसकी प्रस्तुति करो।



(३) कविता से उचित शब्द चुनकर लिखो :

- (च) देश के (ज) अंधकार की
- (छ) आँधियों का (झ) नवयुग का



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) 'पानी बचाओ' विषय पर पोस्टर बनाने के लिए आवश्यक संदर्भ सामग्री का संकलन करो। पोस्टर बनाकर चर्चा करो।



(६) तालिका में दिए गए मूल शब्दों के अंत में कोष्ठक में दिए वर्ण/वर्ण समूह लगाकर नये शब्द बनाओ और लिखो : (ता, पन, ई, शील, वाला, ईय)

मूल शब्द	नया शब्द
धन	धनवान
सुंदर	
अपना	
प्रगति	
गाँव	
मानव	
जीवन	



(७) 'स्वच्छ पाठशाला, सुंदर पाठशाला' अभियान की जानकारी समाचारपत्रों में पढ़ो। उनमें से इस अभियान संबंधी कतरनें एकत्रित करके रखो एवं उन्हें सूचनापट्ट पर लगाओ।

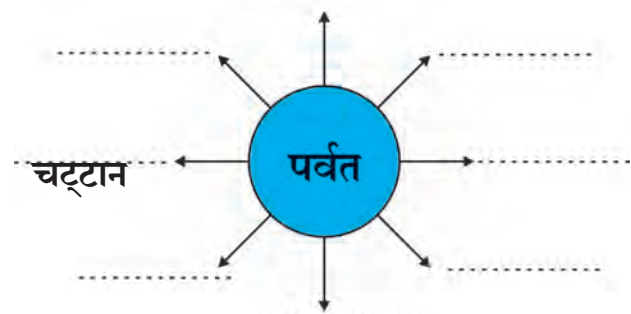
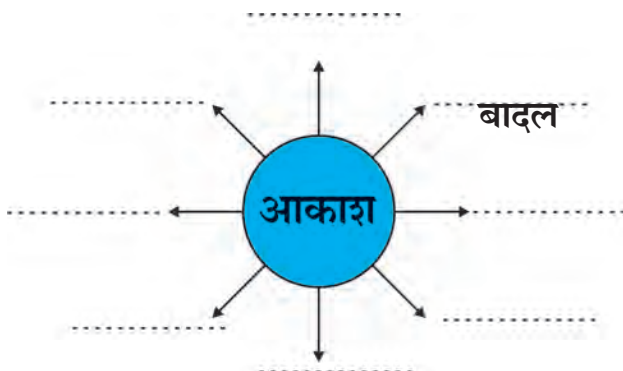
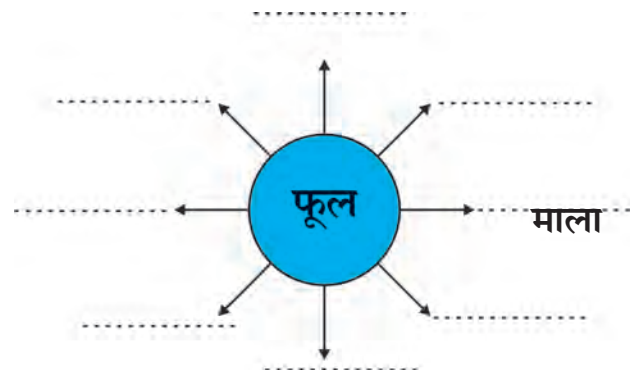
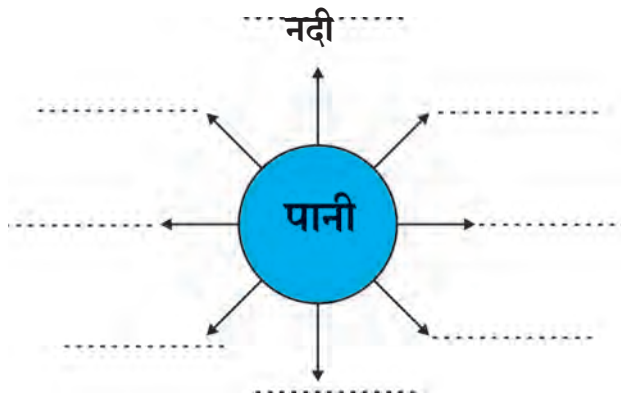


अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। कृतियों का अभ्यास कराएँ।



पढ़ो और समझो :

* नीचे दी गई आकृतियों के मध्य में दिए हुए शब्द से संबंधित एक शब्द दिया है, ऐसे ही अन्य संबंधित शब्द लिखो :





(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) चित्र बनाने हेतु आवश्यक सामग्री।
- (ख) संगणक के महत्वपूर्ण कार्य।



(२) किसी त्योहार से संबंधित कोई एक लोकगीत पढ़ो।



(३) नीचे दिए गए विषयों पर तीन-चार वाक्यों में वर्णन करके लिखो :

(च) हमारी सैर

.....

.....

.....

.....

(छ) मेरा प्रिय कार्टून

.....

.....

.....

.....



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :





(५) नीचे दिया परिच्छेद पढ़ो, समझो और उसे उचित शीर्षक दो।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म २३ जनवरी १८९७ को कटक में हुआ था। इनके पिता का नाम जानकीनाथ और माता का नाम प्रभावती था। पिता कटक के नामी वकील थे। सुभाष की प्रारंभिक शिक्षा एक अंग्रेजी स्कूल में हुई। वे वीर तथा साहसी स्वभाव के थे वे कभी हिम्मत नहीं हारते थे। बचपन में उन्हें डरावने सपने बहुत परेशान करते थे। इसलिए वे रात में सोने के पहले कहते थे, “ मैं साँप से नहीं डरता। शेर से नहीं डरता। मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।” इस प्रकार सोचते-सोचते वे सो जाते थे। धीरे-धीरे डरावने सपनों का दीखना बंद हो गया।



(६) निम्नलिखित तालिका में दिए गए कालों के दो-दो वाक्य लिखो :

काल	वाक्य
भूतकाल	१).....
	२).....
वर्तमानकाल	१).....
	२).....
भविष्यकाल	१).....
	२).....

* निम्नलिखित तालिका में दिए गए वर्णों को सूचना के अनुसार शब्द के प्रारंभ और अंत में जोड़कर नये शब्द बनाओ :

वर्ण (प्रारंभ में)	शब्द	वर्ण (अंत में)	शब्द
सु	,	ई	,
प्र	,	वान	,



(७) विविध शब्द पहेलियों का संग्रह करो और अपने सहपाठियों को सुनाओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। विशेष विद्यार्थियों को कृतियाँ करने में सहायता करें।



चौथी इकाई

१. समाचार जगत



**बाल दिवस के अवसर पर
प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन**

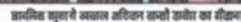
[illegible][illegible]

बच्चों को पढाई के साथ सफाई का भी संदेश

अपना उज्ज्वल बच्चा

मैदान कर्तव्य मुक्तों का जीवन
 कल्पित है। तर्कालोचन का
 इनका रस है। भी छाने का
 कर्तव्य के साथ कर्तव्य का जीवन
 मिले तो देश की एक मुक्त
 जीवन मिले तो कोई देश का
 जाना है। इस विषय के साथ
 संसार विचारधारा के जीवन
 महान के विचार इनका
 जीवन कर्मों को कर्तव्य के साथ
 कर्मों का जीवन है।

अपने वे हाथों से आप विशाल
सहायक अभिमान आपनी को
लोकन कृप का मिलन दिया है। आप
आपनी के कम कम कम कम
सहायक की को आपनी है। आप ही
सहायक सौजन्य का भी बड़े मिलन
की मिला है। आप मिली के हाथों
सहायक सहायक की को आपनी
सहायक सौजन्य का सहायक ही

[illegible]

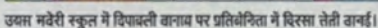
पंचायतों और शिक्षा कानून

कहता: 'वीरदत्त ने कालव्रत की पत्नी से
समाधान्य लक्ष्मिदान की स्मरणार्थ
कर्मलिया है।' उनको कोई राज
पणालीय यह कहानी से इतनी विचित्र।
दूर दूर से काली खाने के लिये
इति दिये। जहाँ राजा भिन्नवद
वसी से विद्वान् पाया। (१८) इन्द्र
इतनी शक्ति से दूर दूर से। कालव
विराट ने शत्रुवत् की पत्नी लक्ष्मि
ने काल वीरदत्त की पत्नी से विद्वान्
कालवदत्त राजा काल वीरदत्त का
वीरदत्त की से शत्रुवत् कालवदत्त
कालवत् का वीरदत्त कालवत् की।

कनको गोली काशी से काशी में संकीर्ण हो सम्पन्न है। लेकिन है जिस से काशी में सम्पन्नता का सम्पन्न है।

स्कूल में बच्चों ने धुमधाम के साथ मनाया दीपावली का त्योहार, प्रतियोगिताएँ भी हुई

नवयुव, बकर, खरब के उष्ण जवैतें
रसूल में चौपावती लोहान के उभावत
में पुखर, चेंटेण, मेठई, औन और
मिट्टी के डेबक राजनीय
प्रतिगोभितायों का अमलेजर किंक
मिट्टी एकर अपखर एर रसूल के
वेवौधवर लोहद्वि लिए अयम में यवने
को रसिते नीं हुर बान कि चौपावती
वन लईवा उगाता पर लईता है। यह
वीर मिरस अयना जाता है। डेवर से
मयनन रमाववन कयदक पन डमी
रुपने पुल गाती है। मिट्टी से निमिनि

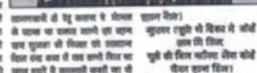


मेरा सनो के सायान नगीता नहीं
आखरी सखिरे जगो मे कबा कि हलते



श्रीमन्महाभारत, दशमस्कन्ध

होने। जो वह सिखाया, सीखना पड़ा।
इस सिद्धांत से निर्गत रहन न तो वे
कदली विद्या में निवेश की राहों को
जान ही नहीं हुए किन्तु "विद्या" का
पता वे जानना मग । सोचिए कि
विद्यार्थी के भ्रमों में कि

[illegible]

अध्यापन संकेत : उपरोक्त चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। चित्रों पर चर्चा कराएँ। प्रश्न पूछें और उत्तर प्राप्त करें। विभिन्न समाचार पढ़कर छायाचित्रों का निरीक्षण करवाएँ। समाचारों का शीर्षक पढ़कर उनपर प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें। पढ़े गए समाचारों में अपरिचित संदर्भों पर ध्यान देने एवं जानकारी ढूँढ़ने के लिए कहें। ‘बाल दिवस’ मनाते हुए चाचा नेहरू की जानकारी दें। ‘संत गाडगे बाबा’ की जयंती पर ‘स्वच्छता अभियान’ की तैयारी करवाएँ।



देखो, पहचानो और चर्चा करो :



२. ऊर्जा के स्रोत



अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्रों का विद्यार्थियों से सूक्ष्म निरीक्षण कराएँ। ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों पर चर्चा करें। समाचार सुनकर बताने के लिए प्रोत्साहित करें। समाचारपत्र से संकलित की हुई शिक्षा संबंधी कतरनों को अलग रखने के लिए कहें। उनकी प्रदर्शनी का आयोजन करने के लिए प्रेरित करें। विशेष विद्यार्थियों की चित्रवाचन में सहायता करें।



अध्यापन संकेत : ऊपर दिए गए चित्रों का सूक्ष्म निरीक्षण करवाकर प्रत्येक चित्र पर चर्चा करें। इनके संबंध में विद्यार्थियों के अनुभवों को व्यक्त करने का अवसर दें। सौर ऊर्जा के उपयोग संबंधी जानकारी पढ़ने के लिए कहें। इस संबंध में सुने हुए समाचार स्वतंत्र रूप से बताने के लिए प्रेरित करें। इन ऊर्जा स्रोतों के बारे में अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें।



सुनो, समझो और मिलकर गाओ :



३. कौन?



— सोहनलाल द्विवेदी

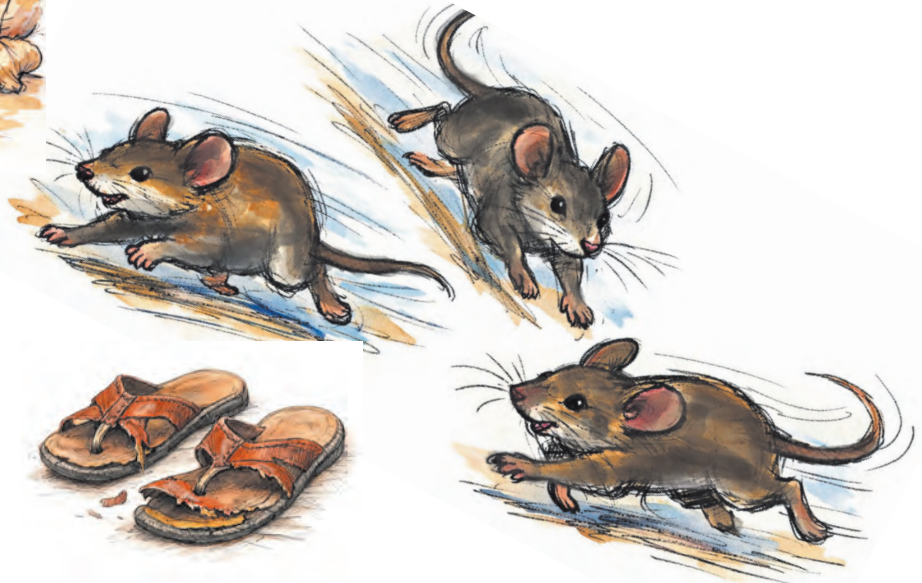
किसने बटन हमारे कुतरे?
किसने स्याही को बिखराया?
कौन चट कर गया दुबककर
घरभर में अनाज बिखराया?



दोना खाली रखा रह गया
कौन ले गया उठा मिठाई?
दो टुकड़े तस्वीर हो गई
किसने रस्सी काट गिराई?



कभी कुतर जाता है चप्पल
कभी कुतर जूता है जाता,
कभी जेब पर भी बन आती
अनजाने पैसा गिर जाता।



अध्यापन संकेत : कविता का वाचन करें। विद्यार्थियों से एकल एवं समूह में उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का वाचन कराएँ। कविता में घटी घटनाओं पर समूह में चर्चा कराएँ। शैक्षिक कार्यक्रमों में गाए जाने वाले बोली भाषा के गीत तथा कविताओं को प्रस्तुत करने के लिए कहें। कार्यक्रम के अनुसार मुद्दे देकर भाषण तैयार करवाएँ। कविता के आशय का वर्णन करने के लिए कहें। विशेष विद्यार्थियों को चित्रों का वाचन करने में सहायता करें।

किसने जिल्द काट डाली है?
बिखर गए पोथी के पन्ने।
रोज टाँगता धो-धोकर मैं
कौन उठा ले जाता छन्ने?



रोज रातभर जगता रहता
खुर-खुर इधर-उधर है धाता
बच्चो, उसका नाम बताओ
कौन शरारत यह कर जाता?

नये शब्द : जिल्द = पुस्तक का बाहरी आवरण; छन्ना = महीन कपड़ा; धाता = रक्षक।

अध्यापन संकेत : कविता के आशय का वर्णन करने के लिए कहें। विद्यालय के कार्यक्रम के अनुसार मुद्दे देकर भाषण तैयार करवाएँ। कविता में वर्णित पात्र के बारे में अपने विचार व्यक्त करने के लिए कहें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) कवि के घर में अनाज और मिठाई की स्थिति।
- (ख) कवि की जेब से पैसों का गिरना।
- (ग) बिन बुलाए घर में आए चूहे।
- (घ) चूहों का आतंक।



(२) पढ़ी हुई सरल कविताओं का कक्षा में प्रकट गायन करो।



(३) कविता की कथावस्तु के विषय को व्यक्तिगत अनुभव से जोड़कर एक परिच्छेद लिखो।



(४) दिए गए चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य लिखो :



(५) नीचे दिए गए वाक्य पढ़ो। रेखांकित शब्द के लिए समानार्थी शब्द का उपयोग करके वाक्य पुनः लिखो :

(ट) पुस्तक का यह पन्ना फट गया है।

.....

(ठ) टँगी हुई तस्वीर नीचे गिर गई।

.....

(ड) हमने एक अनजान व्यक्ति को देखा था।

.....

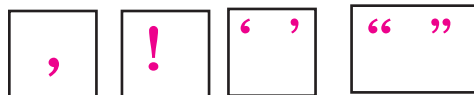
(ढ) वह बालक रो रहा था।

.....



(६) नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर चौखट में दिए गए विरामचिह्नों का उचित स्थान पर प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखो :

निःशुल्क वितरण के लिए



(ट) विनय ने कहा हम कल मुंबई जाएंगे।

(ठ) बच्चे कागज की नाव बनाते हैं।

(ड) वाह कितने सुंदर सुवाच्य अक्षरों में लिखा है।

(ढ) गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस लिखा।



(७) शोर मचाते बच्चों को चुप कराने के लिए बुजुर्गों के तरीके बताओ और उसपर अपने विचार व्यक्त करो।



विद्यालय के कार्यक्रम में कोई एक गीत प्रस्तुत करो।



चूहों की परेशानी से बचने के लिए कौन-कौन-से उपाय किए जा सकते हैं; इसकी जानकारी प्राप्त करो और बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी कराएँ। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। दी गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।



४. प्लास्टिक प्रदूषण



– आसावरी धर्माधिकारी

यहाँ देखो, वहाँ देखो, जहाँ देखो सब जगह प्लास्टिक छाया हुआ है। घर में, बाजार में सब जगह प्लास्टिक की बनी वस्तुएँ दिखाई देती हैं।

प्लास्टिक हमारे जीवन में बहुत उपयोगी है लेकिन हम प्लास्टिक का इतना अधिक उपयोग करने लगे हैं कि यह पर्यावरण के लिए हानिकारक हो गया है। यह न तो आसानी से गलता है और न ही नष्ट होता है। इससे मिट्टी और जल का प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। नदियों और समुद्रों में प्लास्टिक की वस्तुएँ फेंकने से जलीय जीवों का नुकसान होता है। जानवर भी इसे खाकर बीमार हो रहे हैं।

हर नागरिक को प्लास्टिक बंदी का पालन करना चाहिए। आने वाले समय में यह और भी अधिक भयावह होने वाला है। प्लास्टिक सबसे ज्यादा उपयोग किए जाने वाले पदार्थों में से एक है। इससे बहुत सारे उत्पाद बनाए जाते हैं क्योंकि यह सस्ता होने के साथ किसी भी आकार में ढाला जा सकता है। इसके बढ़ते उपयोग के कारण ही प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या उत्पन्न हुई है। हमें कागज के थैलों का उपयोग करना चाहिए। धरती को प्रदूषण से बचाना है। हम निश्चित ही यह करेंगे, 'जहाँ चाह वहाँ राह।'

प्लास्टिक प्रदूषण से बचने के लिए कुछ सरल उपाय अपनाए जा सकते हैं, जैसे :



अध्यापन संकेत : उचित आरोह-अवरोह के साथ विद्यार्थियों से वाचन कराएँ। पाठ में आए विषय पर चर्चा कराएँ। प्लास्टिक प्रदूषण को लेकर उनके अनुभव बताने के लिए प्रेरित करें। पढ़े हुए पाठ का चार-पाँच वाक्यों में निष्कर्ष बताने के लिए कहें। पाठ में दिए विविध विचारों, जानकारी पर उनकी राय पूछें, चर्चा करें।

१. प्लास्टिक थैली का उपयोग न करके अपने साथ कपड़े की थैली रखना और दुकानदार को प्लास्टिक थैली देने से मना करना।

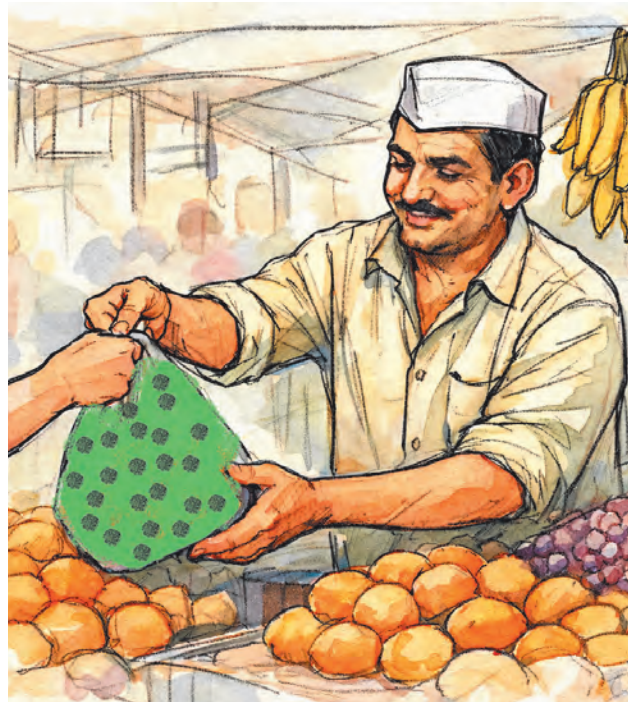
२. स्टील या काँच की बोतल में पानी पीने से प्लास्टिक बोतलों का उपयोग कम होगा।

३. पेय पदार्थों के लिए कागज या धातु के स्ट्रॉ का उपयोग करना।

४. प्लास्टिक के बर्तन का उपयोग कम करके घर पर स्टील या काँच के बर्तनों का उपयोग करना।

५. प्लास्टिक का सही तरीके से रि-साइकिल करने से प्रदूषण कम होगा।

६. प्लास्टिक मुक्त उत्पादों का चयन करना।



इन उपायों को अपनाकर हम प्लास्टिक प्रदूषण को कम कर सकते हैं और पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं।

मुहावरे-कहावतें पढ़ो और समझो :

मुहावरे

१. फूला न समाना = बहुत आनंदित होना।

वाक्य - दादी अपनी पोती को देखकर फूली न समाई।

२. दंग रह जाना = आश्चर्य चकित होना

वाक्य - चिटू कूड़ेदान में छोटे-छोटे पेड़ देखकर दंग रह गया।

३. होश उड़ जाना = बहुत डर जाना

वाक्य - सिंह को देखकर चित्रकार के होश उड़ गए।

कहावतें

१. लालच बुरी बला है = लालच के कारण मनुष्य विपत्ति में पड़ जाता है।

२. जहाँ चाह वहाँ राह! = इच्छा होने पर मार्ग मिलता है।

नये शब्द : जलीय = जल में रहने वाले; भयावह = डरावना; उत्पाद = बनाई गई वस्तु।

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों को वाक्य पढ़कर सुनाएँ। रेखांकित वाक्यांश मुहावरे हैं, यह बताएँ। सामान्य और विशेष विद्यार्थियों को ऐसे अन्य मुहावरे और उनके अर्थ समझाएँ। उनका वाक्यों में प्रयोग करवाएँ। अब तक पढ़े गए पाठों से मुहावरे ढूँढ़ने के लिए कहें। उनका अर्थ लिखवाकर वाक्य में प्रयोग करने के लिए बताएँ। विद्यार्थियों से कहावतें और उनके अर्थ पढ़वाएँ। अर्थ की दृष्टि से कहावतें 'गागर में सागर' भर देने का कार्य करती हैं। कहावतों के पीछे कोई घटना, कहानी या प्रसंग होता है। अन्य कहावतों पर चर्चा करें। उनकी सूची बनवाएँ।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) प्लास्टिक की विशेषता।
- (ख) प्लास्टिक से होने वाले नुकसान।
- (ग) प्लास्टिक पर पाबंदी।
- (घ) कागज या कपड़े की थैली के उपयोग।



(२) पर्यावरण संबंधी कहानी पढ़कर उसका सारांश और निष्कर्ष बताओ।



(३) दिए गए विषयों पर अपने विचार व्यक्त करो :

- (च) प्लास्टिक का अधिक उपयोग करने के दुष्परिणाम
- (छ) नदियों और समुद्र में प्लास्टिक फेंकने के दुष्परिणाम



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) अपने परिसर को स्वच्छ रखने के लिए तुम क्या करते हो? इस संबंध में पाँच-छह वाक्यों का परिच्छेद लिखकर उसे उचित शीर्षक दो।



(६) नीचे दिए शब्दों पर चर्चा करते हुए पाठ से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखो :

- | | |
|--------------|---|
| (ट) महँगा | × |
| (ठ) अनिश्चित | × |
| (ड) गलत | × |
| (ढ) खुला | × |
| (ण) लाभदायक | × |



(७) 'मोबाइल से होने वाले लाभ-हानि' विषय पर सात-आठ वाक्यों में संवाद लिखो :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....



बातचीत



तुम्हारे आस-पास
शोर होने के
कारणों पर कक्षा
में चर्चा करो।

पानी गंदा न हो, इसके
लिए तुम कौन-कौन-
सी सावधानी बरतोगे,
अपने विचार बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। दी गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।



५. मंगल का पत्र



— सु. मो. शाह

दिनांक ११ नवंबर
प्रिय पृथ्वी दीदी,
prithvi@gmail.com

सादर प्रणाम!

अचानक मेरा पत्र पाकर तुम्हें आश्चर्य हुआ होगा। युग बीत गए पर तुमसे बात नहीं हुई। तुमने भी कभी पत्र नहीं लिखा। अमेरिका, रूस और भारत आदि देशों के वैज्ञानिक बड़े जिज्ञासु, महत्वाकांक्षी और परिश्रमी हैं। उन्होंने 'मार्स', 'मेरिनर', 'वाइकिंग', 'मंगलयान', 'पर्सिवियरेंस' आदि मानवरहित यानों से मेरी सतह के अनेक छायाचित्र तुम्हें भेजे हैं। दूरबीन निरीक्षण से भी मेरे बारे में जानकारी प्राप्त की है। वैज्ञानिकों ने अथक प्रयास किए हैं और कर भी रहे हैं। आज मैंने सोचा कि तुम्हें भी अपनी स्थिति से अवगत करा दूँ।

सूर्य से जन्मे हम भाई-बहन हैं। हम सारे ग्रह सूर्यमंडल या सूर्य परिवार के सदस्य हैं। परिवार में तुम्हारा स्थान तीसरा और मेरा चौथा है। तुम मेरी बड़ी बहन यानी दीदी हो। सभी ग्रहों में मैं तुमसे अधिक साम्य रखता हूँ।



अंग्रेजी में मेरा नाम 'मार्स' है। यह नाम एक रोमन देवता के आधार पर रखा गया है। भारतीय लोग मुझे 'मंगल ग्रह' कहते हैं। मैं सूर्य से लगभग २२.८ करोड़ किलोमीटर दूर हूँ। मेरी सतह पर आयरन (लौह), ऑक्साइड अधिक मात्रा में होने के कारण मेरा रंग गहरा लाल दिखता है इसलिए मुझे 'लाल ग्रह' भी कहा जाता है। मेरे दोनों ध्रुव हमेशा बर्फ से ढँके होने के कारण सफेद दिखाई देते हैं।

हम ग्रहों को दो प्रकारों में बाँटा गया है। 'स्थानीय ग्रह', जिसके जमीन होती है और

अध्यापन संकेत : विद्यार्थियों से पत्र का वाचन कराएँ। पत्र कौन लिख रहा है? किस कारण से पत्र लिख रहा है? इस प्रकार के प्रश्न पूछकर मंगल और पृथ्वी ग्रह के बारे में चर्चा कराएँ। पत्र लेखन में प्रयुक्त विरामचिह्नों का परिचय कराएँ। जैसे- पूर्णविराम, अल्पविराम तथा उद्गारवाचक चिह्न। उन्हें विषय देकर बधाई पत्र लिखवाएँ। अल्पविराम और उद्गारवाचक आदि विरामचिह्नों की पहचान कराने के लिए भाषाई खेलों का उपयोग करें। समाचारपत्र में छपे खेल समाचारों की कतरनें एकत्रित करके उनकी रचना बनाकर प्रदर्शित करने के लिए कहें।



‘गैसीय’ ग्रह, जिसमें अधिकतर गैस-ही-गैस हैं। हम दोनों ‘स्थानीय’ धरातल के एक जैसे ग्रह हैं। तुम्हारी अपेक्षा मैं बहुत ठंडा हो गया हूँ। मैं सूरज से बहुत दूर हूँ। तुम्हें उससे जितनी गर्मी मिलती है, मुझे उसकी आधी भी नहीं मिलती। हवा इतनी विरल है कि साँस लेना भी कठिन है। मेरे यहाँ जीवन बनाए रखने योग्य नाइट्रोजन गैस है। मेरी मिट्टी में सूक्ष्म जीवाणुओं के संकेत मिल चुके हैं। मेरा वायुमंडल पहले बहुत घना था। यहाँ ऑक्सीजन का अभाव है।

मेरी सतह चट्टानी, पथरीली है। सतह पर गोल, नुकीले और कई प्रकार के पत्थरों से युक्त चट्टानें बिखरी पड़ी हैं। साथ ही, सतह पर गर्त, ज्वालामुखी पर्वत, घाटियाँ, मरुभूमि और ध्रुवों पर बर्फीली चोटियाँ दिखाई देती हैं।

यहाँ पर ठंडे एवं विरल वायुमंडल होने के कारण जल बर्फ के रूप है। तुम्हें सूर्य की परिक्रमा करने में एक वर्ष लगता है तो मुझे लगभग बाईस महीने लगते हैं। मेरा एक दिन तुम्हारे एक दिन की अपेक्षा सैंतीस मिनट बड़ा है।

दीदी, तुम्हारे वैज्ञानिक सुपुत्र भली-भाँति जान गए हैं कि मैं अब एक बंजर, वीरान ग्रह हूँ। बिना कृत्रिम साधनों के यहाँ रहना असंभव है। फिर भी ये मेरी ओर आना क्यों चाहते हैं? क्या तुम अपनी बढ़ती जनसंख्या को यहाँ बसाना चाहती हो या यहाँ का बहुमूल्य खनिज प्राप्त करना चाहती हो? अगर जिज्ञासा/ज्ञानपिपासा की दृष्टि से मंगल-यात्रा करना चाहते हैं तो इनका सहर्ष स्वागत है। एक सलाह है, सावधान रहो! प्रकृति से खिलवाड़ करने से, प्रदूषण करने से, पर्यावरण का विनाश करने से अपनी संतानों को रोको। ज्ञान-विज्ञान, अनुसंधान-प्रयोग-प्रगति सभी का ध्येय जनकल्याणकारी हो अन्यथा तुम्हारी अवस्था भी मुझ जैसी हो जाएगी। मैं तो बस, तुम्हें हमेशा हरी-भरी, प्रसन्न देखना चाहता हूँ।

तुम्हारा भाई,

मंगल ग्रह

mangal@gmail.com

नये शब्द : परिश्रमी = मेहनत करने वाला; मात्रा = परिमाण; सतह = पृष्ठभाग; बंजर = अनुपजाऊ।

अध्यापन संकेत : इस पाठ के आधार पर समूह में चर्चा करके आठ-दस वाक्यों में आकलन सहित संवाद कक्षा में प्रस्तुत कराएँ। संवाद प्रस्तुत करते समय विद्यार्थियों से मंगल और पृथ्वी की भूमिका अभिनय के साथ प्रस्तुत करने हेतु मार्गदर्शन करें। ई-पुस्तकालय का उपयोग करके मंगल ग्रह की जानकारी देने वाली पुस्तकें खोजने के लिए कहें।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) आकाश का लाल ग्रह।
- (ख) अंतरिक्ष के ग्रहों के नाम।
- (ग) भारतीय यान मंगल ग्रह पर।
- (घ) मंगल की सूर्य परिक्रमा।



(२) पुस्तकालय से कोई भी एक पसंदीदा पुस्तक पढ़ो और उसमें आपको क्या पसंद आया, कक्षा में बताओ।

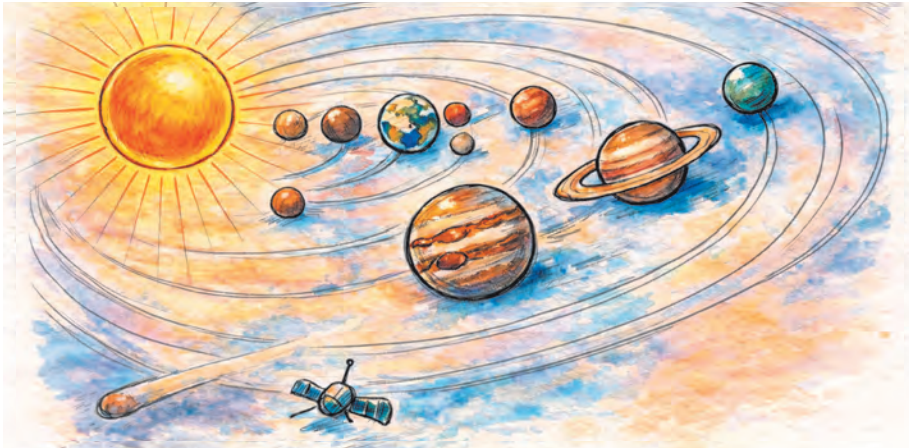


(३) दो-तीन शब्दों में उत्तर लिखकर वाक्य पूर्ण करो :

- (च) पाठ में आए वैज्ञानिकों की विशेषताएँ -,,,
- (छ) मानवरहित यानों के नाम -,,,
- (ज) मंगल ग्रह की सतह पर दिखाई देता है -,,,
- (झ) मंगल ग्रह के नाम -,,,



(४) चित्र के आधार पर विरामचिह्नों का उपयोग करते हुए पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) 'मंगल का पत्र' के बारे में पाँच-छह वाक्यों में अपना मत लिखो :

.....

.....

.....

.....

.....



(६) नीचे दिए शब्दों के भिन्नार्थ बताओ और लिखो :

निःशुल्क वितरण के लिए

मन

वार

तीर

हार



(७) ई-पुस्तकालय से किसी अंतरिक्ष यात्री की जीवनी ढूँढो। अध्यापक की सहायता से अपने सहपाठी से चर्चा करो।



इस पाठ के
सारांश के बारे में
अपना मत व्यक्त
करो।



पृथ्वी को प्रदूषण
से कैसे बचाएँ,
चर्चा करो।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ बनाने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। दी गई कृतियों का अभ्यास कराएँ। पाठ का आशय समझने में विशेष विद्यार्थियों की सहायता करें।



सुनो, समझो और मिलकर गाओ :



६. हमारा भारत



– डॉ. वंदना मिश्र

जनगणमन सब गाते हैं,
मन में भरकर प्रीत।
देश भक्ति संदेश यह,
यही सभी की जीत।

राष्ट्रध्वज तो दे रहा,
लहराता संदेश।
भारतीय पर गर्व है,
अमन हमारा देश।

खुशहाली का गीत भी,
मिलकर सर-ओ-साज।
आओ गाएँ हम सब,
जनगणमन को आज।

देश भक्ति और वीरता,
भारत की तस्वीर।
सोने की चिड़ियाँ यहीं,
यहीं गंगा का तीर।



अध्यापन संकेत : उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ विद्यार्थियों से कविता का मुखर वाचन कराएँ। कविता का सारांश बताने के लिए प्रेरित करें। लोकगीत कजरी सुनने को कहें। लोकगीतों में सुने नये शब्दों का संग्रह करने और उनके अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़ने के लिए कहें। पाठशाला के समारोह में दिए गए विषय पर भाषण देने के लिए प्रेरित करें। अपने अनुभव से कोई कविता या कहानी लिखकर उसे शीर्षक देने के लिए कहें। 'राष्ट्रीय एकता दिवस', 'सद्भावना दिवस', 'राष्ट्रीय संकल्प दिवस' मनाएँ एवं इनकी जानकारी दें।

होरी, कजरी, फाग भी,
लोकगीत के नाम।
उत्सव हर दिन जो करें,
करें धन्य स्वनाम।

आजादी का जश्न मने,
नगर शहर हर ग्राम।
मना रहे देखो सभी,
खुश कितना आवाम।



लिप्यंतरण पढ़ो और समझो :

रोमन लिपि में शब्द	देवनागरी में लिप्यंतरण
Sagar	सागर
Neha	नेहा
Bharat	भारत
Manoj	मनोज
Dolly	डॉली

नये शब्द : गर्व = अभिमान; सर-ओ-साज = जीत और वैभव; तीर = किनारा, कूल; आवाम = जनता।

अध्यापन संकेत : लिप्यंतरण में किसी भाषा के शब्दों को दूसरी भाषा की लिपि में लिखा जाता है। हिंदी में लिप्यंतरण के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग किया जाता है जबकि अंग्रेजी में रोमन लिपि का उपयोग किया जाता है। विद्यार्थियों को लिप्यंतरण के बारे में जानकारी दें। शब्द, छोटे-छोटे वाक्यों का अनुच्छेद देकर उसका लिप्यंतरण करवाएँ।

आओ करें



(१) सुनो और चर्चा करो :

- (क) लहराते राष्ट्र ध्वज का संदेश।
- (ख) कुछ लोकगीतों के नाम बताओ।
- (ग) तुम्हारी पाठशाला में स्वतंत्रता दिवस समारोह।
- (घ) शहर और ग्राम।



(२) पाठशाला के पुस्तकालय में उपलब्ध बालसाहित्य का कहानी और कविता की पुस्तकों में वर्गीकरण करो और पढ़ो।



(३) दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के उच्चारण के अनुसार उसका अर्थ बताओ :

- (च) कल रविवार का दिन है, इस दिन हमें दीन-दुखियों की सेवा करनी चाहिए।
- (छ) पुराने किले के बड़े दरवाजे पर मजबूत कीलें लगी थीं।
- (ज) नदी के कूल पर जाकर बच्चों ने कुल पाँच बतख देखे।
- (झ) हम गृह में बैठकर दूरदर्शन पर ग्रह देख सकते हैं।



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) दिए गए शब्दसमूहों से सुसंगत वाक्य बताओ और लिखो :

- (ट) की सभी यही जीत
- (ठ) सर कर मिल साज ओ
- (ड) सब आओ हम गाएँ
- (ढ) आवाम खुश कितना



(६) मुहावरों-कहावतों के अर्थ ढूँढो। उचित जोड़ियाँ बताओ और अपनी कॉपी में लिखो :

मुहावरे-कहावतें

- (त) आगबबूला होना
- (थ) जान आफत में आना
- (द) लकीर का फकीर होना
- (ध) ईद का चाँद होना
- (प) नाच न जाने आँगन टेढ़ा
- (फ) अधजल नगरी छलकत जाय

अर्थ

- प्राण संकट में फँसना।
- दर्शन दुर्लभ होना
- बहुत क्रोधित होना।
- अंधानुकरण करना।
- कम ज्ञान वाला व्यक्ति का अधिक दिखावा करता है।
- अपनी कमी का दोष दूसरों पर लगाता है।



(७) कविता संग्रह से पढ़ी हुई किसी कविता के प्रथम चरण का रोमन लिपि में लिप्यंतरण करो।



स्वयं पढ़ी हुई
कहानी के मुख्य
पात्रों के बारे में
अपने विचार व्यक्त
करो।



भारत के लिए
'विविधता में एकता'
ऐसा क्यों कहा जाता
है, इस पर अपना
मत बताओ।

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। दी गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।



देखो, पढ़ो और समझो :

* नीचे दी हुई शब्द पहेली से शब्द पहचानकर संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों में चौखट बनाओ।

वि	स्प	र्धा	प	र	फता	र
शु	दया	ट्र	क्की	छ	वि	वृ
रा	भ्रा	क	स	त्ता	श्व	द्धि
छु	ष्ट्री	स्व	सू	मु	स्था	न
मि	ट्टी	य	च्छ	र्य	द्र	व

* अपने किसी अनुभव के आधार पर घटित घटना का क्रमशः वर्णन करो। पाँच-छह वाक्यों का परिच्छेद लिखो जिसमें अधिकाधिक संयुक्ताक्षरयुक्त शब्दों का प्रयोग हो :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

पुनरावर्तन-४



(१) पाठशाला के पुस्तकालय में पुस्तकों की वर्गीकरण व्यवस्था को देखो और चर्चा करो।



(२) लोककथा की पुस्तक लेकर कोई एक लोककथा पढ़ो और उसमें अपरिचित शब्द ढूँढ़ो।



(३) नीचे दिए गए विषय पर पाँच-छह वाक्यों का परिच्छेद लिखो :

१. प्लास्टिक प्रदूषण

.....

.....

.....

.....

.....



(४) चित्र के आधार पर पाँच-छह वाक्य अपनी कॉपी में लिखो :



(५) नीचे दी गई शब्द पहेली पढ़ो और समझो। ऐसी ही अन्य शब्द पहेली तैयार करके बताओ:

पाँच अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान
भारत की भाषा का नाम,
कोई बताओ मेरा नाम,

उत्तर - मल्लालम्



(६) नीचे दिए रोमन (अंग्रेजी) शब्दों का देवनागरी (हिंदी) में लिप्यंतरण करो और लिखो:

रोमन (अंग्रेजी)	देवनागरी (हिंदी)
Balbharati	
Hindi	
Janata	
Suraj	

* निम्नलिखित कहावतें और मुहावरे पूर्ण करो :

- (क) जिसकी लाठी उसकी
- (ख) बंदर क्या जाने अदरक का
- (ग) दंग
 (घ) होश



(७) अब तक पढ़े हुए पाठों से समानार्थी और विलोम शब्दों को ढूँढ़कर उन्हें सूचीबद्ध करो।

समानार्थी शब्द
..... =
..... =
..... =
..... =

विलोम शब्द
..... ×
..... ×
..... ×
..... ×

अध्यापन संकेत : उपर्युक्त कृतियाँ कक्षा में पूरी करवा लें। इस तरह की अन्य कृतियाँ करने के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें। आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें। दी गई कृतियों का अभ्यास कराएँ।

प्रिय विद्यार्थी मित्रो और सहेलियो,

यदि तुम्हें कोई अयोग्य ढंग से स्पर्श करता है और तुम असमंजस या असहज अनुभव करते हो तो तुम कदापि चुप मत रहो। ऐसी घटना होने पर तुम्हें निम्न बातें करना आवश्यक है।

- १) स्वयं को दोष मत दो।
- २) जिन लोगों पर तुम्हें विश्वास है; उनसे घटित घटना के बारे में बताओ।
- ३) तुम पॉक्सो ई-बॉक्स के माध्यम से तुम्हारे अधिकारों की रक्षा हेतु स्थापित राष्ट्रीय आयोग को भी सूचित कर सकते हो।

जब कोई तुम्हें अनुचित/अयोग्य ढंग से छूता है/स्पर्श करता है तब तुम्हें बुरा लग सकता है। तुम परेशान और भ्रमित हो सकते हो। तुम स्वयं को असहाय महसूस कर सकते हो परंतु तुम्हें 'बुरा' लगने का कोई कारण नहीं होना चाहिए क्योंकि ऐसी घटना में तुम्हारा कोई दोष नहीं होता है।



इस बटन को दबाओ।

POCSO यह e-box ncpcr@gov.in इस वेबसाइट पर उपलब्ध है।

यदि तुम्हारी आयु १८ वर्ष से कम है और तुम्हें किसी ने सताया है/ तंग किया है और तुम कुछ समझ नहीं पा रहे हो, चिंतित अथवा तनावग्रस्त महसूस कर रहे हो अथवा इस प्रकार की परेशानी अनुभव करने वाले किसी लड़का/लड़की को जानते हो तो तुम १०९८ (दस नौ आठ) पर संपर्क करो। ऐसा करने से तुम्हारा और तुम्हारे मित्रों/सहेलियों का जीवन बदल सकता है।



चाइल्ड लाईन १०९८ (दस नौ आठ) : यह २४ घंटे टोल फ्री राष्ट्रीय आपातकालीन फोन सेवा है। महिला एवं बालविकास आपातकालीन मंत्रालय द्वारा पीड़ित लड़कों/लड़कियों के लिए यह उपक्रम चाइल्ड लाईन फाउंडेशन ने प्रारंभ किया है।



नए समाज की ओर
Towards a new dawn

- विद्यार्थियों को उनके आयुगुट के अनुसार अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श पहचानने के लिए शारीरिक एवं भावनिक दृष्टि से मार्गदर्शन करें।

राज्यगीत

जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा ॥धृ॥

भिती न आम्हा तुझी मुळी ही गडगडणाऱ्या नभा
अस्मानाच्या सुलतानीला जबाब देती जिभा
सह्याद्रीचा सिंह गर्जतो शिव शंभू राजा
दरी दरीतून नाद गुंजला महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा ॥१॥

काळ्या छातीवरी कोरली, अभिमानाची लेणी
पोलादी मनगटे खेळती, खेळ जीवघेणी
दारिद्र्याच्या उन्हात शिजला
निढळाच्या घामाने भिजला
देश गौरवासाठी झिजला
दिल्लीचे ही तख्त राखितो, महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा, गर्जा महाराष्ट्र माझा
जय जय महाराष्ट्र माझा ॥२॥



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी बालभारती इयत्ता चौथी

(निःशुल्क वितरण के लिए)



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

